# मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 6 दिसंबर 2025

संवत 2082, पौष कृष्णपक्ष 02 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 87 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ एंटीबायोटिक्स का मकड़जाल, सुपरबग्स का बढ़ता खतरा

महिमा चौधरी ने संजय मिश्रा को पहनाई ◂◂ 6


# भारत-रूस के बीच मित्रता, साझा हितों में नहीं आया कोई बदलाव: पुतिन

एजेंसी

**नई दिल्ली:** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत के आर्थिक पैमाने और साझेदारी की क्षमताओं में पिछले कुछ वर्षों के दौरान काफी बदलाव आया है, लेकिन दोनों देशों के बीच मित्रता और साझा हितों की नींव में कोई बदलाव नहीं आया है। पुतिन ने भारत में रूस के सरकारी टेलीविजन नेटवर्क आरटी इंडिया का शुभारंभ करते उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, भारत की अर्थव्यवस्था बदल गई है। एक साझेदार के रूप में भारत की क्षमताएं बदल गई हैं। लेकिन एक चीज अभी भी बाकी है: मित्रता और आपसी सहयोग के विकास में दोनों देशों की रुचि। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि आरटी सूचना का ऐसा स्रोत है, जो पूरी तरह से स्वच्छ है और जिसका लक्ष्य अपने दर्शकों की जरूरतों को पूरा करना है। रशिया टुडे का लक्ष्य रूसी मूल्यों, संस्कृति, घरेलू और विदेशी मामलों में रूस के रुख का प्रचार करना नहीं है, बल्कि रूस और विश्व के बारे में सच्ची जानकारी प्रदान करना है। आरटी की प्रधान संपादक मार्गारीटा सिमोनियन के कुछ देशों में चैनल को बंद किए जाने के बारे में की गई टिप्पणी का उल्लेख करते हुए पुतिन ने कहा कि ऐसी कार्रवाई तकनीकी या नियामक कारणों से नहीं, बल्कि सच्चाई के सामने आने के डर से की जाती है।

रूस के राष्ट्रपति ने कहा, रूस टुडे अपने दर्शकों को हमारे देश और दुनिया में हो रही घटनाओं के बारे में सच्ची जानकारी देने का प्रयास करता है और यही रूस टुडे की सबसे खास बात है। पुतिन ने उपस्थित लोगों को दिवंगत अभिनेता राज कपूर के साथ रूस के संबंधों की भी याद दिलाई। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, राज कपूर के जमाने के बाद से काफी समय बीत चुका है। भारत नाटकीय रूप से बदल गया है। लेकिन तब व्लादिमीर वायसोस्की के राज कपूर के बारे में लिखे गए गीत के बोल मुझे अभी याद आ गए। लेकिन कुछ और भी शब्द हैं। उन्होंने कहा था कि पहले योगी एक साल तक उपवास करते थे, अब वे सब कुछ खाते-पीते हैं।

इससे पहले, आरटी इंडिया की प्रधान संपादक मार्गारीटा सिमोनियन ने कहा कि हालांकि चैनल को कई देशों में प्रतिबंध का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें पूर्ण प्रतिबंध और दर्शकों पर प्रतिकूल कानूनी प्रभाव शामिल हैं, लेकिन भारत ने आरटी के प्रति केवल सद्भावना दिखाई और देश में इसकी मौजूदगी का स्वागत किया है। चैनल की भारत शाखा के हैंडल पर लॉन्च के समय नारा दिया गया है,एक पुराने मित्र की नई आवाज और हमारे देशों के बीच बातचीत दशकों से चल रही है। हमने बस इसकी आवाज बढ़ा दी है।

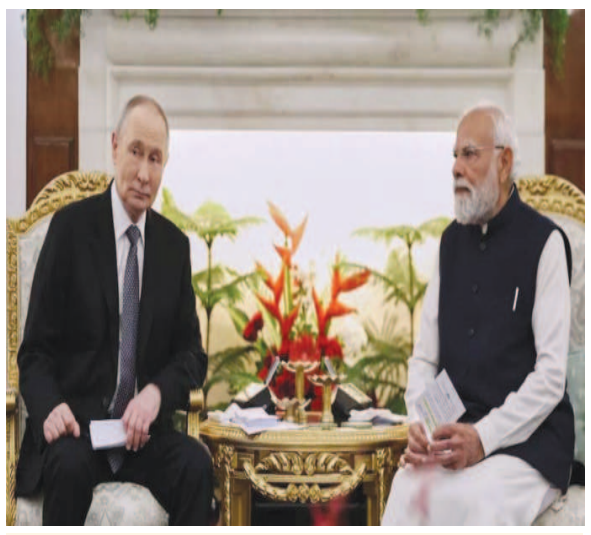

## इस चैनल की टैगलाइन है: पश्चिम विरोधी नहीं, बस पश्चिमी नहीं

2005 में अपने मॉस्को स्थित प्रभाग के साथ पहली बार लॉन्च हुए आरटी का जन्म वैश्विक मंच पर रूसी सरकार की छवि बदलने की कोशिश में हुआ था। यह चैनल दिल्ली में स्थित होगा और इसमें एक पूर्णत: कार्यशील प्रसारण न्यूजरूम और निर्माताओं व पत्रकारों की पूरी टीम होगी। आरटी-इंडिया भारत में अंग्रेजी भाषा के चार दैनिक समाचार बुलेटिन प्रसारित करेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य भारत-रूस संबंधों को और गहरा करना है और साथ ही तेजी से बहुध्रुवीय होते विश्व में दोनों देशों की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाना है। भारत में इसके क्रियान्वयन की आधारशिला इस वर्ष के शुरू में मास्को में आयोजित व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 26वीं बैठक के दौरान रखी गई थी।

## भारत-रूस 19 समझौतों से भरेंगे विकास की नई उड़ान

अमेरिकी सख्ती के बीच भारत को ईंधन देता रहेगा रूस, दोनों देश मिलकर बनाएंगे यूरिया

नई दिल्ली: 23वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के बीच 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। अमेरिकी सख्ती के बावजूद रूस भारत के लिए तेल की सप्लाई जारी रखेगा, जबकि दोनों देश मिलकर यूरिया बनाने को तैयार हो गए हैं। अभी भारत रूस से बड़े पैमाने पर यूरिया आयात करता है। हालांकि इस दौरान दोनों देशों के बीच भी किसी बड़े डिफेंस डील का ऐलान नहीं किया गया। इससे पहले कई रिपोर्ट्स में भारत-रूस के बीच किसी लड़ाकू विमान या बड़े रक्षा सौदा होने की बात कही जा रही थी। भारत-रूस के बीच कुल 19 समझौतों पर मुहर लगी हैं। इनका मकसद भारत-रूस व्यापार बढ़ाना है। भारत-रूस के बीच शिप बिल्डिंग, भारतीय नाविकों को बर्फीले (पोलर) समुद्री इलाकों में जहाज चलाने की ट्रेनिंग, नई शिपिंग लेन पर निवेश, सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा और महत्त्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) पर समझौते और एमओयू साइन किए गए। शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि रूस भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की लगातार और बिना रुकावट आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। रूस भारत के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र के निर्माण में भी मदद कर रहा है। दोनों देश भुगतान के निराकरण के लिए धीरे-धीरे अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्रा के इस्तेमाल की ओर भी बढ़ रहे हैं।

हम सालाना द्विपक्षीय कारोबार को बढ़ाकर 100 अरब डालर तक पहुंचाने की आशा रखते हैं। पुतिन ने कहा कि हम भारत के साथ मिलकर नए अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट रूट बना रहे हैं। इसमें एक बड़ा प्रोजेक्ट नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर भी शामिल है। इसका मतलब है कि रूस या बेलारूस से सामान सीधे हिंद महासागर के रास्ते तक पहुंच सकेगा। इससे व्यापार तेज, सस्ता और आसान होगा। इस दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि पिछले करीब 50 साल से रूस भारतीय सेना को हथियार देने और उसे आधुनिक बनाने में मदद करता आ रहा है। मुझे पूरा भरोसा है कि यह दौर आगे भी बरकरार रहेगा और यहां हुए समझौते भारत-रूस की रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे, इससे दोनों देशों जनता को फायदा मिलेगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा की कि रूसी नागरिकों के लिए निशुल्क तीस दिन का ई-यात्री वीजा और तीस दिन का सामूहिक यात्री वीजा की शुरूआत की जाएगी। दोनों नेताओं ने 2030 तक आर्थिक सहयोग बढ़ाने और व्यापार-निवेश को मजबूत करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-रूस की मित्रता ध्रुव तारे की तरह बनी रही है।

बंगाल में आज बाबरी मस्जिद की नींव रखने की तैयारी,

# हुमायूं कबीर के ऐलान के बाद सुरक्षा सख्त

## हाईकोर्ट ने रोक लगाने से किया इंकार

एजेंसी

**कोलकाता :** पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर नई बाबरी मस्जिद की नींव रखने की तैयारी में हैं। उन्होंने दावा किया है कि मुर्शिदाबाद के रेंजी नगर में मस्जिद के शिलान्यास का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम पर रोक लगाने की याचिका को कलकत्ता हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम उस स्थान से लगभग 500 मीटर दूर एक गांव में होगा, जहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों को बेलडांगा पुलिस स्टेशन के पास तैनात किया जा रहा है। उत्तर बारासात के रहने वाले मोहम्मद सफीकुल इस्लाम सिर पर ईंटें ढोते हुए कार्यक्रम स्थल की ओर जा रहे हैं। उनका कहना है कि वे बाबरी मस्जिद के निर्माण में अपना योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं वहां जाऊंगा जहां हुमायूं कबीर नींव रखेंगे। मैं मस्जिद के लिए ईंटें लेकर जा रहा हूं। राज्यपाल सीवी. आनंद बोस ने नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है और उन्हें भड़काऊ बयान या अफवाहों से दूर रहने का सुझाव दिया है। लोक भवन द्वारा सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट के अनुसार, राज्यपाल ने राज्य सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने को कहा है कि कहीं भी अशांति न फैलने पाए और कानून-व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने लोकभवन में तत्काल प्रभाव से 247 सक्रिय रहने वाला एक एक्सेस प्वाइंट सेल बनाने का निर्देश भी दिया है, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एस के पटनायक करेंगे।

पोस्ट में कहा गया है कि लोग फोन या ईमेल के माध्यम से ह्यएक्सेस प्वाइंट सेल से संपर्क कर किसी भी अप्रिय घटना, धमकी या भड़काऊ बयान की सूचना दे सकते हैं। राज्यपाल पूरी स्थिति पर नजर रखेंगे और उन्हें भरोसा है कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

ईडी समन की अवहेलना का मामला

# मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एमपी-एमएलए कोर्ट के सामने हुए पेश

मेट्रो रेज संवाददाता

**रांची:** ईडी के समन की अवहेलना मामले में आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रांची स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। उनके साथ महाधिवक्ता राजीव रंजन मौजूद थे। मुख्यमंत्री की ओर से जमानत भी ली गई है। उनकी ओर से 7000 रुपये के दो बेल बॉन्ड भरा गया है।

आगमन के पूर्व कोर्ट परिसर की सुरक्षा कड़ी की गई थी। कोर्ट परिसर में भारी संख्या में सुरक्षा बल की तैनाती की गई थी। हाई कोर्ट के आदेश पर सीएम को एमपी-एमएलए कोर्ट में उपस्थित होना पड़ा है। ईडी की ओर से दर्ज शिकायतवाद में कहा गया है कि जमीन घोटाला मामले में हेमंत सोरेन को 10 समन भेजे गए थे, जिनमें से वे केवल दो समन पर ही ईडी के समक्ष उपस्थित हुए। ईडी का कहना है कि यह समन की अवहेलना की श्रेणी में आता है।

# नहीं थमा इंडिगो का संकट, दिल्ली सहित कई बड़े शहरों में उड़ानें कैंसिल

एजेंसी

**नई दिल्ली:** निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो की कई उड़ानें शनिवार को भी रद्द रहीं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर आज एयरलाइंस ने अब तक अपनी 106 उड़ानें रद्द की हैं। इनमें 54 प्रस्थान और 52 आगमन उड़ानें हैं। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर रात 12 बजे से सुबह छह बजे तक 19 उड़ानें रद्द रही हैं। इनमें 12 प्रस्थान की और सात आगमन की उड़ानें हैं। इससे पहले शुक्रवार को इंडिगो की देश भर में एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द रही थीं, जबकि 4 दिसंबर को 400 के करीब उड़ानें रद्द हुई थीं। गत एक नवंबर को पायलटों के अनिवार्य विश्राम और नाइट ड्यूटी से संबंधित नए नियम लागू होने के बाद से ही इंडिगो की उड़ानों में देरी बढ़ती गई और दिसंबर आते-आते बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने लगीं। एयरलाइंस ने कहा है कि फ्लाइट शेड्यूल को पुनर्व्यवस्थित करने के लिए दो-तीन दिन बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द कर रही हैं। इस बीच डीजीसीए ने नए नियम कुछ समय के लिए आंशिक रियायत भी दी है। यात्रियों को हुई भारी परेशानी को देखते हुए केंद्र सरकार ने पूरे मामले की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति गठित की है जो इसके कारणों का पता लगाएगी और भविष्य ऐसी स्थिति से बचने के लिए उपाय सुझाएगी।

आंबेडकर की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, कहा-

# लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रेरित किया

एजेंसी

**नई दिल्ली:** डॉ. बीआर अंबेडकर की पुण्यतिथि हर साल 6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाई जाती है, ताकि राष्ट्र के लिए उनकी बेहतरीन सेवाओं को याद किया जा सके। परिनिर्वाण, जिसे बौद्ध धर्म के मुख्य सिद्धांतों और लक्ष्यों में से एक माना जाता है, एक संस्कृत शब्द है जिसका मतलब है मृत्यु के बाद मुक्ति या आजादी। इसी तरह से डॉ. बी. आर. अंबेडकर की पुण्यतिथि को भी इसी तरह से मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारतीय संविधान के निमार्ता बाबासाहेब आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को याद करता हूं। न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता और अटूट प्रतिबद्धता हमारे राष्ट्र का निरंतर मार्गदर्शन करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आंबेडकर ने पीढ़ियों को मानवीय गरिमा बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रेरित किया। मोदी ने कहा, विकसित भारत बनाने की दिशा में काम करते हुए उनके आदर्श हमारा मार्गदर्शन करते हैं। प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के साथ संसद भवन परिसर में स्थित प्रेरणा स्थल में आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

## डॉ. बीआर अंबेडकर पुण्यतिथि 2024

6 दिसंबर को मनाया जाने वाला महापरिनिर्वाण दिवस, भारतीय संविधान के जनक डॉ. बीआर. अंबेडकर की पुण्यतिथि है। डॉ. अंबेडकर एक प्रमुख नेता थे जिन्होंने आधुनिक भारत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे एक न्यायविद, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ थे। भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति के अध्यक्ष के तौर पर, डॉ. अंबेडकर ने सभी नागरिकों के लिए न्याय, समानता और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। संविधान सभा में उनके योगदान ने एक लोकतांत्रिक और समावेशी भारत की नींव रखी।

# बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचे जेपी नड्डा, की पूजा-अर्चना, बीजेपी के कई नेता रहे मौजूद

संवाददाता

**रांची/देवघर:** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं। वह बीते शुक्रवार को देवघर आए। आज यानी शनिवार को जेपी नड्डा देवघर के बाबा धाम मंदिर में पूजा -अर्चना के लिए पहुंचे।

बाबाधाम मंदिर में पूजा - अर्चना की। इस दौरान उनके साथ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे और बाबूलाल मरांडी मौजूद रहे। पूजा स्थल पर पंडा धर्मरक्षिणी सभा ने जेपी नड्डा का स्वागत किया। नड्डा ने मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। सूत्रों के मुताबिक जेपी नड्डा आज पूजा - अर्चना के बाद देवघर में पार्टी के नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालय का औपचारिक उद्घाटन करने वाले हैं। नड्डा इस दौरान वर्चुअल रूप से गुमला जिला भाजपा कार्यालय का भी उद्घाटन करेंगे।

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार रात झारखंड पहुंचे और उन्होंने राज्य में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठक की। नड्डा देवघर में विमान से उतरे और हवाई अड्डे पर भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और मधु कोड़ा ने उनका स्वागत किया।

## न्यूज IN ब्रीफ

### नाबालिग से काम कराने वालों के खिलाफ दर्ज करायें प्राथमिकी : उपायुक्त

**मेदिनीनगर :** बाल श्रम उन्मूलन व पुनार्वास को लेकर टास्क फोर्स की बैठक प्रतिनिधि, मेदिनीनगर शुक्रवार को समाहरणालय के सभागार में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता पलामू डीसी समीरा एस ने की। बैठक में नियोजन, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा,बाल श्रम उन्मूलन व पुनर्वास को लेक किये गये कार्य की समीक्षा की गयी। इस दौरान डीसी ने अक्टूबर व नवंबर माह में बाल श्रम से मुक्त कराये गये बच्चों की स्थिति की जानकारी ली। श्रम अधीक्षक पुनित मिंज ने डीसी को बताया कि अक्टूबर व नवंबर माह में आठ नाबालिग को बाल श्रम से मुक्त कराया गया है। डीसी ने श्रम अधीक्षक को निर्देश दिया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर उन बच्चों का नामांकन स्कूल में कराये। बाल श्रम से विमुक्त कराये गये बच्चों को शिक्षा से जोड़ना आवश्यक है। डीसी ने साफ तौर पर कहा कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम कराना अपराध की श्रेणी में आता है। बाल श्रम उन्मूलन को लेकर छापामारी अभियान तेज करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने कहा कि वैसे प्रतिष्ठान को चिह्नित करें, जहां 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से काम कराया जा रहा है। वैसे प्रतिष्ठान के मालिकों के खिलाफ बाल एवं अल्पव्यस्क श्रमिक अधिनियम 1986 के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए 20 हजार रुपये प्रति बाल श्रमिक जुमार्ना के रूप में वसूल करें। डीसी ने विमुक्त कराये गये बाल श्रमिकों का ट्रेकिंग कराने और पुनर्वासन के लिए मापदंड के अनुसार कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में कौशल विकास योजना के तहत मुख्यमंत्री सारथी योजना की अध्यतन स्थिति की जानकारी ली गयी। इस योजना को जिले में प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने और जागरूकता के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया। स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए अवसर बढ़ाने, उद्योगों से कार्यबल व विशिष्ट कौशल आवश्यकता से जुडी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया। बैठक में जिले में संचालित सभी कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के कार्यों की समीक्षा की गयी। डीसी ने कौशल विकास के तहत सोलर तकनीशियन को प्रशिक्षित करने का सुझाव दिया। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्हें जेरेडा में प्लेसमेंट कराने पर चर्चा की गयी। मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत युवाओं को वाहन मैकेनिक, कारपेंटिंग व अन्य ट्रेडों में दिये जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी ली गयी। सामाजिक सुरक्षा कोषांग के तहत राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना व विभिन्न तरह के पेंशन योजना की स्थिति की जानकारी ली गयी। मौके पर पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, डीडीसी मोहम्मद जावेद हुसैन, डीइओ सौरभ प्रकाश, सदर बीडीओ जागो महतो, कृषि पदाधिकारी, मतस्य पदाधिकारी, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक के अलावा सीडब्लूसी के सदस्य मौजूद थे।

### लातेहार में पिछले दो दिन में हुए सड़क दुर्घटना में 6 लोगों की मौत

**लातेहार:** जिले में पिछले दो दिनों के अंदर अलग-अलग हादसों में 6 लोगों की मौत हुई है। इनमें पांच लोगों की मौत अलग-अलग सड़क दुर्घटना में हुई है। जबकि एक व्यक्ति की मौत सोलर जल मीनार से गिरने के कारण हो गई। जिला प्रशासन द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा के नियमों को लेकर सख्त रुख अपनाया गया है। इसके बावजूद, हादसों की संख्या कम नहीं हो रही है।

अब तक कई लोगों की चली गई जान

दरअसल, शुक्रवार को सदर थाना क्षेत्र के सरयू घाटी के पास हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के ओरवाई गांव निवासी जयवंत सिंह के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार जयवंत सिंह सरयू से घर लौट रहा था। इसी दौरान सरयू घाटी के पास उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वहीं, लातेहार जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हुई है। मृतकों की पहचान हेरहंज थाना क्षेत्र के निवासी नरेश गंझू एवं उसके चचेरे भाई बिगन गंझू के रूप में हुई है। जबकि तीसरी घटना बारियातू प्रखंड मुख्यालय से सटे गाड़ी ग्राम अंतर्गत भुईया टोला में घटी। जहां पर राज कपूर प्रसाद की मौत जल मीनार से गिर जाने के कारण हो गई।

दुर्घटनाओं में नहीं आ रही है कमी

गुरुवार से जिले के अलग-अलग थाना इलाकों में हादसों का सिलसिला जारी है। इन घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। बालूमाथ थाना इलाके के बहेरा टोला निवासी रामसहाय उरांव की मौत बालूमाथ-खलारी रोड पर सीरम गांव के पास किसी अनजान गाड़ी की चपेट में आने से हो गई। दूसरी घटना बालूमाथ-लातेहार रोड पर चेताग गांव के कोठा टाड़ के पास हुई। जहां बालू गांव के धोरा टोला निवासी धनेश्वर भगत की सड़क हादसे में मौत हो गई। इसके अलावा, पिछले दो दिनों में अलग-अलग सड़क हादसों में छह से ज्यादा लोग घायल हो गए।

लगातार चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

इधर, दुर्घटनाओं के रोकथाम को लेकर लातेहार जिला प्रशासन के द्वारा सड़क सुरक्षा की जागरूकता के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल ने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के द्वारा अब सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से भी निगरानी की जा रही है।

उन्होंने लोगों से अपील की है कि वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। यदि बाइक सवार हेलमेट का प्रयोग करेंगे तो दुर्घटना में होने वाले नुकसान की संभावना काफी कम रहेगी। इसी प्रकार चार पहिया वाहन चलाने वाले या उस में सवारी करने वाले लोग सीट बेल्ट अवश्य लगाएं।

### शोध में निरंतर समायोजन की आवश्यकता : डॉ बेहरा

**रांची :** केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) में आईसीएसएसआर प्रायोजित दो सप्ताहिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शुक्रवार को भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), न्यू बरगंडा, गिरिडीह के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हरि चरण बेहरा का व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ बेहरा ने प्रतिभागियों को गुणात्मक शोध के प्रमुख उपकरणों - साक्षात्कार अनुसूची, अवलोकन अनुसूची, समूह चर्चा की संरचना, उद्देश्य और उपयोगिता पर जानकारी दी। उन्होंने फील्ड वर्क में बेहतर संवाद, प्रोबिंग तकनीक व नैतिक संवेदनशीलता के महत्व पर विशेष बल देते हुए समझाया कि समृद्ध, प्रामाणिक और संदर्भ-विशिष्ट गुणात्मक डेटा कैसे एकत्र किया जाएं। डॉ बेहरा ने बताया कि गुणात्मक डेटा को व्यवस्थित रूप से संगठित, कोडित और वर्गीकृत करना आवश्यक है, ताकि अर्थपूर्ण पैटर्न विकसित किए जा सकें।कहा कि शोध में निरंतर समायोजन एवं पुनःसमायोजन की आवश्यकता होती है। डॉ बेहरा ने यह स्पष्ट किया कि प्रभावी शोध के लिए टीमवर्क, अंतर्विषयक सहयोग व साझा शैक्षणिक लक्ष्यों का महत्व अत्यधिक है। उन्होंने खुलेपन, परस्पर सम्मान व सामूहिक समस्या-समाधान, जैसे गुणों को सहयोगात्मक शोध संस्कृति के लिए अनिवार्य बताया। अगले सत्र में जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो संजय भुइयां ने प्रयोगात्मक शोध की मूल अवधारणाएं- प्रयोगात्मक रूपरेखाएं, नियंत्रण समूह, वैधता के प्रकार, आदि पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।

### मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आदिवासी प्रतिनिधियों का किया स्वागत, कहा

# आदिवासी समाज के सामाजिक - आर्थिक सशक्तीकरण के लिए एकजुटता व आत्मनिर्भरता जरूरी

**संवाददाता**

**रांची :** कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधियों का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर अपने हक-अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने और मजबूत होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। आदिवासी प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से देशभर में चल रहे आदिवासी आंदोलनों को नेतृत्व देने का आग्रह भी किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की धरती सदियों से वीरता, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रतीक रही है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा से लेकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन तक, अनेक वीर-वीरांगनाओं के त्याग और संघर्ष ने आदिवासी अस्मिता को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि मानव सभ्यता के निर्माण और संरक्षण में आदिवासी समाज की भूमिका अनमोल रही है, और आज एकता और जागरूकता की जरूरत पहले से कहीं अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार आदिवासी संस्कृति, पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सामाजिक, शैक्षणिक और बौद्धिक स्तर पर आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में झारखंड देश का पहला राज्य बना है, जहां आदिवासी समुदाय के विद्यार्थी सरकारी खर्च पर विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में नई रोशनी जगी है और इस उजाले को और प्रखर करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। सरकार हर कदम पर समाज के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति का उपासक है, और पर्यावरण संरक्षण उसकी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है। पूर्वजों ने मिट्टी और धरती की रक्षा के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है, लेकिन आधुनिक समय में प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण बाढ़, सुखाड़ और भूस्खलन जैसी आपदाएं बढ़ी हैं। इसलिए प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए एकजुटता और आत्मनिर्भरता जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों को मजबूत करना और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर आगे बढ़ाना समय की मांग है। देशभर से आए प्रतिनिधियों ने झारखंड सरकार द्वारा आदिवासी हित में किए गए कार्यों की सराहना की और सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रतिनिधियों की वर्षों की मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के अस्तित्व और अधिकारों की रक्षा के लिए आने वाले दिनों में वे स्वयं देश के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि संघर्ष ऐसा होना चाहिए कि हमारी समस्याएँ केवल आवाज तक सीमित न रहें, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के एजेंडे का हिस्सा बनें। हमें यह साबित करना होगा कि हम बिखरे हुए लोग नहीं, बल्कि एक सशक्त राष्ट्र-समुदाय हैं, जिसे इतिहास के किनारे से निकलकर भविष्य के केंद्र तक पहुँचना है।

कार्यक्रम में गुजरात, महाराष्ट्र, असम, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मणिपुर सहित कई राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधियों ने झारखंड की पहल को देशभर के आदिवासी समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। सभी प्रतिनिधियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्ष और योगदान को नमन करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री चमरा लिंडा, विधायक कल्पना सोरेन, अशोक चौधरी सहित विभिन्न राज्यों से आए सैकड़ों आदिवासी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## अंतर विभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता मिल जोन की टीम बनी चैंपियन

**संवाददाता**

**बोकारो :** बोकारो स्टील प्लांट की ओर से अपने कर्मचारियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना, टीम वर्क व खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 01-04 दिसंबर तक सेक्टर-03 स्थित स्टील क्लब में अंतर विभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 17 टीमों ने हिस्सा लिया था।

गुरुवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में मिल जोन-01 के सहायक महाप्रबंधक (एचएसएम) राजेंद्र भगत व वरीय प्रबंधक (आरजीबीएस) चंदन कुमार की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम की। टीम सर्विसेज के सहायक महाप्रबंधक (ट्रैफिक) एसपात्रा-वरीय प्रबंधक (आरसीएल) अरिजीत बनर्जी, वरीय प्रबंधक (पीपीसी) गणेश पासवान व कनीय प्रबंधक (इएमडी) अर्जुन शर्मा की टीम उप विजेता रही। वहीं, टीम एमएंडयू ने बेहतरीन प्रदर्शन के साथ तृतीय स्थान अर्जित किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, ऊर्जा व प्रतिबद्धता का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

स्वास्थ्य, फिटनेस व सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा : अधिशासी निदेशक

फाइनल मुकाबले में अधिशासी निदेशक (ऑपरेशंस) अनूप कुमार दत्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री दत्त ने विजेता व सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल ना केवल शारीरिक क्षमता को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि टीम भावना, आत्मविश्वास तथा कार्यकुशलता को भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएल सदैव अपने कर्मचारियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने व खेलकूद गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करता रहा है। बोकारो स्टील प्लांट विभिन्न खेल आयोजनों के माध्यम से कर्मचारियों में स्वास्थ्य, फिटनेस व सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के आयोजन करता रहता है। मौके पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (वित्त एवं लेखा) एसके भारद्वाज, महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) सीआरके सुधांशु व अन्य वरीय अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

### नकली और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार पर लगेगी रोक

**रांची:** झारखंड में नकली और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार को रोकने के लिए अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने एक विशेष निर्देश जारी किया है। सीआईडी के आईजी ने सभी जिले के डीसी और एसपी को तत्काल प्रभाव से ड्रग इंस्पेक्टर और पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर एक विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया है। यह कदम झारखंड हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका (डब्ल्यू.पी.।(पीआईएल) न।-6691 ऑफ 2025, सुनील कुमार महतो बनाम झारखंड राज्य व अन्य) के संदर्भ में उठाया गया है, जिसमें नकली और नियंत्रित दवाओं के अवैध वितरण की गंभीर अनियमितताओं की जांच का आग्रह किया गया था। इस अभियान के तहत जिले के सभी मेडिकल दुकानें, थोक और खुदरा विक्रेता की स्टॉक पंजी, खरीद-बिक्री दस्तावेजों का मिलान और जांच की जाएगी।

खासकर बिना चिकित्सीय सलाह के नियंत्रित दवाओं की बिक्री पर कड़ी नजर रखी जाएगी। अनियमितता मिलने पर सख्त कानूनी कारवाई की जाएगी।

## गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति : एसडीपीओ

**संवाददाता**

**बोकारो :** जीजीपीएस बोकारो में शुक्रवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन मुख्य अतिथि एसडीपीओ चास प्रवीण कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि सेक्टर छह थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संगीता कुमारी, चीरा चास थाना प्रभारी पुष्पराज, जीजीइएस अध्यक्ष तरसेम सिंह, सचिव एसपी सिंह व प्राचार्य अभिषेक कुमार ने संयुक्त रूप से किया। एसडीपीओ श्री सिंह ने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति हैं। विद्यार्थी जीवन में सफलता की ऊंचाई को छूते रहें। अध्यक्ष ने कहा कि खेलने से मानसिक शांति मिलती है। एकाग्रता बढ़ती है। तनाव कम होता है। हमें एक स्वस्थ व खुशहाल जीवन जीने में मदद करता है। सचिव ने कहा कि खेल एक राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। प्रतियोगिता में कक्षा चार से सातवीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का प्रदर्शन किया। दौड़, लंबी कूद, रिले रेस, बाधा दौड़, ड्रिल मुख्य प्रतियोगिता में शामिल था। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया। इससे पूर्व विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम से अतिथियों का मन मोह लिया। मौके पर शिक्षक, शिक्षिकाएं, अभिभावक व विद्यार्थी मौजूद थे।

### ठंड से बचाने के लिए फुटपाथों पर रहने वालों को निगम पहुंचा रहा है आश्रय गृह

**रांची :** राजधानी रांची में लगातार बढ़ती ठंड के बीच बेघर और जरूरतमंदों के लिए रांची नगर निगम द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। शहर में कुल 10 आश्रय गृह संचालित हैं, जिनमें से एक केवल महिलाओं के लिए विशेष रूप से रखा गया है। रांची में अभी तक आश्रय गृहों में 157 पुरुष और 49 महिलाएं रुकने आई हैं। नगर निगम ने सभी आश्रय गृहों को पूरी क्षमता के साथ तैयार रखा है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त व्यवस्था भी बनाएगी।

### नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में अभियुक्त को 20 साल की कैद

**रांची :** सिविल कोर्ट स्थित विशेष पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग से लगातार कई बार दुष्कर्म के मामले में सोनाहातू थाना क्षेत्र निवासी नव किशोर सिंह मुंडा उर्फ मनीष किशोर उर्फ नाबो को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने यह फैसला शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनाया, क्योंकि अभियुक्त पहले से ही न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है। आरोपी को पॉक्सो अधिनियम की धारा 4(2) और धारा 6 के तहत दोषी पाया गया। अदालत ने दोनों धाराओं में 20-20 वर्ष का कठोर कारावास और 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। न्यायालय ने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि अभियुक्त जुर्माना नहीं भरता है तो उसे प्रत्येक धारा के लिए छह-छह माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। मामले की प्राथमिकी नवंबर 2023 में सोनाहातू थाना में दर्ज कराई गई थी। पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि अभियुक्त द्वारा लगभग 10 महीने तक उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इसकी जानकारी किसी को देने पर उसे और उसके पूरे परिवार की हत्या की धमकी दी गई थी।

# उपायुक्त ने जहरीली गैस लीक की घटना की विस्तृत जांच के दिये आदेश

**संवाददाता**

**रांची :** धनबाद के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) आदित्य रंजन ने जहरीली गैस लीक की घटना की डिटेल में जांच के आदेश दिए हैं। यह घटना धनबाद में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के पुटकी बलिहारी कोलियरी एरिया से हुई थी। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करने का भी निर्देश दिया। खास बात यह है कि धनबाद के केंदुआडीह में चिल्ड्रन्स पार्क के पास जहरीली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के लीक होने से कथित तौर पर कम से कम दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों ने उल्टी और सिरदर्द की शिकायत की। यह पार्क एक सदी से भी ज्यादा समय से अंडरग्राउंड आग से प्रभावित है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, धनबाद डीसी ने बीसीसीएल, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ माइंस सेफ्टी (डीजीएमएस), हेल्थ डिपार्टमेंट, डिजास्टर मैनेजमेंट और ज़ेडा के सीनियर प्रतिनिधियों के साथ एक इमरजेंसी रिव्यू मीटिंग बुलाई। उपायुक्त ने यह पता लगाने के लिए एक कमेटी बनाई कि लीक कैसे हुआ, सेफ्टी प्रोटोकॉल में क्या कमियां थीं और कौन सी एजेंसियां असरदार तरीके से जवाब देने में नाकाम रहीं। जांच में हर घटना की डिटेल में जांच की जाएगी और यह पता लगाया जाएगा कि किसकी लापरवाही से जान गई। डीसी ने कहा, कमेटी जांच करेगी कि किसकी लापरवाही से मौतें हुईं। रिपोर्ट के आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच माइंस एक्ट, 1952 और डिजास्टर मैनेजमेंट रेगुलेशन, 2025 के तहत की जाएगी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, प्रियंका देवी की मौत बुधवार देर शाम हुई, जबकि एक और महिला ललिता देवी की मौत गुरुवार को हुई। इसके अलावा, इलाके के एक दर्जन बच्चे और महिलाएं बीमार पड़ गए हैं, उन्होंने कहा। हालांकि, दोनों महिलाओं की मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगा। लगातार हो रही इन मौतों से स्थानीय लोगों का गुस्सा और बढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन और बीसीसीएल के खिलाफ विरोध करते हुए, स्थानीय लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर कई घंटों तक धनबाद-रांची रोड को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि सुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ है। उनके घरों में धुआं भर गया है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि आंखों में जलन, खांसी और दम घुटने की समस्याएं भी बढ़ गई हैं। उन्हें डर है कि अगर अंडरग्राउंड आग और फैली, तो पूरा इलाका गंभीर खतरे में पड़ सकता है।

# हजारीबाग भूमि घोटाला : विनय चौबे व विनय सिंह की योजनाबद्ध धोखाधड़ी का उदाहरण है: हाईकोर्ट

मेट्रो रेज संवाददाता

**रांची :** हजारीबाग भूमि घोटाला विनय सिंह और विनय चौबे की योजनाबद्ध धोखाधड़ी का उदाहरण है। हाईकोर्ट ने नेक्सजेन के मालिक विनय सिंह की जमानत याचिका को रद्द करने के दौरान यह टिप्पणी की है। साथ ही यह भी कहा है कि सरकारी अधिकारी द्वारा निजी स्वार्थ के लिए सरकारी शक्तियों का इस्तेमाल अत्याधिक गंभीर है। इससे सामाज के नैतिक ढांचे को भी नुकसान पहुंचता है। विनय सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से यह दलील दी गयी थी कि यह मामला सिर्फ भूमि विवाद का नहीं है, यह पद के दुरूपयोग, भ्रष्टाचार और

दस्तेवज में जालसाजी का संगठित अपराध है। जांच के दौरान तत्कालीन अंचल अधिकारी अलका कुमारी ने यह स्वीकार किया है कि तत्कालीन उपायुक्त ने उन्हें अपने कार्यालय में बुलाकर विनय सिंह के पक्ष में म्यूटेशन करने के लिए मजबूर किया। एसीबी ने मामले की जांच के दौरान पाया कि विनय चौबे और उनके पारिवारिक सदस्यों के खाते में विनय सिंह की कंपनी से करोड़ रुपये ट्रांसफर किये गये हैं।

हाईकोर्ट ने सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद अपने फैसले में कहा कि पहली नजर में यह मामला गंभीर और योजनाबद्ध तरीके की गयी धोखाधड़ी का उदाहरण है। यह व्यक्तिगत लाभ के अलावा शासन तंत्र और कानूनी प्रक्रिया के संगठित दुरूपयोग का उदाहरण है। साथ ही यह भी कहा कि सरकारी मशिनरी के दुरूपयोग से किया जाने वाला आर्थित अपराध राष्ट्र के वित्तीय सेहर के लिए खतरा है।

कोर्ट ने कहा कि एसीबी द्वारा पेश किये गये मनी ट्रेल और बैंकिग लेनदेन के डिजिटल सबूत विश्वसनीय है। साथ ही आरोपी और सह अभियुक्तों के बीच के आर्थिक और आपराधिक संबंधों को प्रमाणित करते हैं। कोर्ट ने एसीबी द्वारा दस्तावेज में की गयी जालसाजी और डिजिटल डाटा मिटाने से संबंधित पेश किये गये सबूतों को स्वीकार किया। अभियुक्त को जमानत पर रिहा करने की स्थिति में सबूतों से छेड़छाड़ करने की आशंका जतायी और जमानत देने से इनकार कर दिया।

### पंडरा बाजार समिति में चोरों का आतंक

# तीन दुकानों की दीवार तोड़ लाखों की चोरी

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः पंडरा बाजार समिति में दुकानों की दीवार तोड़कर लाखों रुपये के सामान की चोरी की घटना सामने आई है। शुक्रवार की देर रात चोरों ने एक साथ तीन दुकानों में सेंधमारी कर नगद, सामान, लैपटॉप और महत्वपूर्ण कागजात चुराकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, पंडरा बाजार समिति के बनहौरा रोड स्थित दुकान संख्या एन-24, एन-25 और एन-27 में एक ही रात में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। चोरों ने तीनों दुकानों में दीवार तोड़कर प्रवेश किया और कैश, कीमती सामान,

लैपटॉप और कई अन्य जरूरी कागजात चोरी कर लिए।

चोरी किए गए सामानों की कीमत लाखों में आंकी जा रही है। दुकानदारों को इस घटना की जानकारी शनिवार की सुबह मिली, जब वे अपनी दुकानें खोलने पहुंचे। उनका कहना है कि सामान और नगदी के साथ-साथ महत्वपूर्ण कागजात चोरी होने से उनका बड़ा नुकसान हुआ है।

### रांची में पदयात्रा व धरना-प्रदर्शन को लेकर बैठक संपन्न

# मुरी- राजधानी के पदयात्रा में उमड़ेगी भीड़ : देवेंद्रनाथ

- गांधीनगर अस्पताल, सीसीएल में हृदय रोग संबंधी नि:शुल्क

संवाददाता

**रांचीः** राज्य में शीतकालीन सत्र शुरू हो चुकी है। इधर सड़क पर 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' का खतियान व छात्रों के मांगो को लेकर पदयात्रा जारी है। पदयात्रा करते हुए आज दूसरे दिन हजारीबाग सदर तक पहुंचे। यह पदयात्रा 9 दिसंबर को रांची प्रवेश करेगी। राजधानी में विशेष शक्ति-प्रदर्शन को लेकर आज संगठन का सामूहिक बैठक संपन्न हुआ। बैठक में पदयात्रा व विधानसभा के समक्ष धरना-प्रदर्शन पर चर्चा परिचर्चा हुआ एवं सुचारू सफलता हेतु रणनीति तय हुआ। पद यात्रियों का ठहराव की

व्यवस्था, निर्धारित रूट गमन, प्रशासन से सामंजस आदि विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने कहा की हम लोग राजधानी में पूरी ताकत के साथ आंदोलन करेंगे। मांगों को मजबूती से सरकार के समक्ष रखेंगे। ताकि सदन पर बैठे माननीयों तक हमारी आवाज गूंज सके। जिला अध्यक्ष संजय महतो ने कहा की आंदोलन की तैयारी हेतु संगठन के सभी विंग को सूचनार्थ किया गया है। हटिया, सिल्ली, ईचागढ़,मांडर,तमाड़,खिजरी विधानसभा के कार्यकर्ता गण मौजूद रहेंगे। बताते चलें कि मंगलवार को पद यात्रियों का बृहद संख्या जुटान बूटी मोड़ में होगी। एवं बरियातू रोड रातू रोड होते हुए विधानसभा की ओर बढ़ेंगे। आज (शुक्रवार) को मोरहाबादी मैदान के बैठक में, देवेंद्र नाथ महतो, रतिया गंझू, संजय महतो, जयंती देवी, सुमित खतियानी, पप्पू कुडमी, सीमा देवी, गुना भगत, रंभा देवी, पंचम एक्का, राजु चैंडी व पदाधिकारी मौजूद रहे।

# अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस : आर्मी पब्लिक स्कूल में विशेष कार्यक्रम आयोजित

मेट्रो रेज संवाददाता

**रांचीः** आर्मी पब्लिक स्कूल रांची में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक और जागरूकता बढ़ाने वाला कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिरसा विकलांग उत्थान एवं कल्याण समिति के सचिव श्री राजू सिंह विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित थे।

अपने संबोधन में राजू सिंह ने दिव्यांगजनों के अधिकार, सशक्तिकरण और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने जीवन के अनुभव साझा

किए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता कभी भी सफलता में रुकावट नहीं बनती, बल्कि सही समर्थन और हौसले से दिव्यांगजन भी समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ओपन संवाद सत्र रहा, जिसमें बच्चों ने बेझिझक अपने सवाल पूछे और राजू सिंह ने बड़े ही सरल और प्रेरणादायक तरीके से उनके सभी प्रश्नों का उत्तर दिया। यह संवाद बच्चों के लिए अत्यंत लाभदायक और उत्साहवर्धक रहा। विद्यालय के प्राचार्य अभय कुमार सिंह ने राजू सिंह का पुष्प-गुच्छ देकर स्वागत किया और उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिक्षकों और छात्रों की सक्रिय सहभागिता रही। दिव्यांगजन दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम जागरूकता, संवाद और प्रेरणा से भरपूर रहा तथा छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ गया।

## पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़

चतराः जिले में अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान राहुल सिंह गिरोह के सदस्य जुबैर अंसारी को पुलिस की गोली लग गई। घटना शनिवार तड़के करीब तीन बजे पिपरवार इलाके में हुई। गोली लगने के बाद जुबैर को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जोनल आईजी सुनील भास्कर के निर्देश पर पूरे बोकारो जोन में अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी निगरानी रक्षक ऐप के जरिए भी की जा रही है।

**Jharkhand Industrial Area Development Authority, Ranchi**
3rd Floor, JIADA Building, Namkum Industrial Area Lowadih, Namkum Ranchi-834010
Website- https://jiada.jharkhand.gov.in ,
E-mail ID-mdjiada@gmail.com &
md-jiada@jharkhandmail.gov.in

**Public Notice**

Advertisement No.-_1284 Dated-____05.12.2025

**Subject: Long term lease of newly built IT Tower, Lowadih, Namkum Industrial Area, Ranchi**

Jharkhand Industrial Area Development Authority (JIADA) invites applications from reputed organizations and eligible entities of IT /ITes sector for the **long-term lease for a period of 30 years of a state-of-the-art IT Tower** located in the strategic **Namkum Industrial Area, Ranchi**. **Key Features of the IT Tower are:**

- Structure: G+5, Total Area: Approx. 40,000 Sqft.
- Proximity to key urban centres.
- Designed to cater to modern IT/ITes needs.

| S. No. | Particulars | Details |
|---|---|---|
| 1. | Total Cost (Land +Building) | 17.65 Cr. |
| 2. | Application Submission Starts | 08.12.2025 |
| 3. | Application Submission Ends | 29.12.2025 |
| 4. | Application Opening Date | 30.12.2025 |
| 5. | Application Fee | 10,000+GST 18% |

**Terms and Conditions:**

- The lessee shall pay the rent, maintenance charges, and any other applicable fees as stipulated in the lease agreement without any delay.
- The lessee shall pay total cost within 30 (thirty) days from the date of receipt of letter of provisional allotment by way of online payment through Single Window System.
- The lessee may pay the total cost in 10 (ten) equal instalments in spread of five(5) years, but they will have to pay five (5) percent interest per annum on the remaining principal amount which will be collected with the instalment amount due for the period. If the lessee fails to pay instalment on time, the interest of 15% shall be levied on instalment amount from the due date.
- Failure to make timely payments may attract penalties or result in lease termination as per the provisions of the JIADA Regulation-2016.
- The lessee shall comply with all applicable laws, rules, and regulations, including but not limited to environmental and labour during the lease period.
- The lessee shall not make any structural alterations, modifications, or additions to the premises without prior written approval from JIADA.
- The lessee shall maintain the premises in good condition and undertake necessary repairs at their own cost, except for those repairs deemed the responsibility of JIADA as per the lease agreement.
- Any damage to the property caused by negligence or misuse by the lessee shall be rectified by the lessee at their own expense.
- The lessee shall not sub-lease, assign, or transfer the lease or any part thereof to any third party without the prior written consent of JIADA.
- JIADA or its authorized representatives shall have the right to inspect the leased premises at reasonable intervals to ensure compliance with the terms of the lease.
- Renewal of the lease, if applicable, shall be subject to mutual agreement and compliance with the terms specified in the lease agreement and JIADA regulations-2016.

Interested organizations and eligible entities of IT /ITes sector may submit their application through Single Window System website www.advantage.jharkhand.gov.in .
The allotment process shall be governed in accordance with the provisions of the JIADA Regulation- 2016. For further details please contact on above mentioned address and Phone 8294472762 Email riada.rnc@gmail.com The detailed information is also available on https://jiada.jharkhand.gov.in and notice board of JIADA..
JIADA reserves the right to withdraw or cancel this advertisement at any time without assigning any reason thereof.

**Sd/-**
**Secretary,**
**JIADA, Ranchi**

PR 367815 (RIADA (JIADA))25-26*D

# आरकेडीएफ विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह संपन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

**रांचीः** आरकेडीएफ विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। यह आयोजन नामकुम कैंपस में हुआ। द्वितीय दीक्षांत समारोह का उद्घाटन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ। दीक्षांत समारोह में

प्रोफेसर (डॉ.) कृति भूषण दास कुलपति सीयूजे, मुख्य अतिथि के रूप में संजय कुमार वर्मा, अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक मेकॉन लिमिटेड थे । गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में प्रदीप कुमार हजारी विशेष सचिव सह सलाहकार कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड सरकार थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) शुचितांगशु चटर्जी ने 2025 बैच के पीएचडी, पीजी और यूजी के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट उपलब्धियां के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में पीएचडी, स्नात्कोत्तर, स्नातक,एवं डिप्लोमा विद्यार्थियों की 636 डिग्री प्रदान की गई, 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर (डॉ.) शुचितांगशु चटर्जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि इस शानदार सफलता के लिए आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक बधाई जिसमें को करने और संस्था के मूल्यों को बनाए रखना चाहिए। आपको आत्मचिंतन करने की क्षमता तथा दुनिया के साथ जुड़ने में मदद मिलनी चाहिए। सफलता को धन से न तोलें। आपकी सफलता उन लोगों में से है, जिनके आप काम में आएंगे, उन सकारात्मक बदलावों में हैं, जो आप समाज में लाएंगे। सफलता को पैसे से मत मापो। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां से उपाधियां प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स नौकरी ढूंढने वाले नहीं बल्कि नौकरी बनाने वाले बनेंगे। उन्होंने कहा कि

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का

माध्यम नहीं है, यह आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण का भी एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। ज्ञान की इस यात्रा के दौरान आपने जो कुछ भी सीखा है, वह केवल आपकी डिग्री में ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व का एक अभिन्न अंग बन चुका है। भविष्य में आपको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे समय में, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप शांत रहें और दृढ़ संकल्प के साथ उनका सामना करें।

द्वितीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर प्रोफेसर (डॉ.) कृति भूषण दास कुलपति, सीयूजे, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डिग्री धारकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। जब कुछ हासिल करते हैं और कड़ी मेहनत करते हैं जब सफलता प्राप्त करते हैं।तो यह सफलता केवल आपकी मेहनत और लगन का परिणाम नहीं है, बल्कि इसमें आपके माता-पिता, अभिभावकों और शिक्षकों के अटूट समर्थन और मार्गदर्शन का भी बड़ा योगदान है। मैं उन सभी का हृदय से सम्मान करता हूं, जिन्होंने अपना समय, त्याग और प्रेम देकर आपको यहां तक पहुंचाया है। द्वितीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर गेस्ट ऑफ ऑनर प्रदीप कुमार हजारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह एक ऐसा दिन है जब उपलब्धियां संभावनाओं को जन्म देती हैं। निरंतर परिश्रम की इच्छा शक्ति, सकारात्मक सोच और उन्होंने युवाओं को जीवन के हर क्षेत्र में ईमानदार और अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि चरित्र ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। यही भविष्य का आधार है।आदर्श चरित्र ही व्यक्तियों को मंजिल तक पहुंचाता है उन्होंने कहा कि आज का युग अत्यधिक प्रतिस्पर्धा का है इसलिए युवाओं को तैयार रहना चाहिए और हर अवसर को पहचान कर आगे बढ़ाना होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि , संजय कुमार वर्मा ने समारोह में आए सभी लोगों का स्वागत करते हुए डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा का समापन पर जीवन के अगले चरण में वह प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आशा व्यक्त की कि वह राष्ट्रीय के निर्माण में अपना योगदान देंगे और अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज के विकास के लिए करेंगे। डॉ बीएन सिंह, डायरेक्टर जनरल मैनेजर आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, भोपाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज आपने एक शैक्षणिक अध्याय पूरा किया है और अब आप जीवन के एक नए चरण की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। मेरी आप सभी से यह अपील है कि आप स्वयं का लक्ष्य निर्धारित करने वाला व्यक्तित्व के रूप में स्वयं को विकसित करो। अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग न केवल अपने करियर में सफलता पाने के लिए करें, बल्कि एक बेहतर समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी अपना योगदान योगदान दें।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर अमित कुमार पांडे ने धन्यवाद देते हुए कहा कि यह विश्वास करना बहुत मुश्किल है कि जो सपना हमने देखा था वह अब पूरा हो रहा है । एक शैक्षिक संस्थान की नींव का विचार हमारे लिए वाकई प्रेरणादायी है जिसे 7 साल पहले एक पौधे के रूप में लगाया गया था आज यह बड़े पेड़ के रूप में उग आया है। आज यहां मैं अपने सामने असाधारण और स्मार्ट छात्रों तथा उनके माता-पिता को देख रहा हूं आज आपने जिस शिक्षा को ग्रहण किया है वह शिक्षा आपके जीवन में आगे बढ़ाने में मदद करेगी और ज्ञान की प्रक्रिया को कभी ना रोके। आज का दिन हम सबके लिए अत्यंत गौरव और खुशी का क्षण है। आज सभी विद्यार्थी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने के बाद अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं । जीवन में सफलता पाने के लिए, आपको सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा। द्वितीय दीक्षांत समारोह का समापन विश्वविद्यालय के कुलपति की समापन की घोषणा से हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन प्रोग्राम लॉ के प्रोफेसर अमित झा ने किया । इस द्वितीय दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की समस्त संकायों के प्राध्यापक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। यह आयोजन नामकुम कैंपस में हुआ। द्वितीय दीक्षांत समारोह का उद्घाटन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं गणेश वंदना के द्वारा प्रारंभ हुआ। द्वितीय दीक्षांत समारोह में

प्रोफेसर (डॉ.) कृति भूषण दास कुलपति सीयूजे, मुख्य अतिथि के रूप में संजय कुमार वर्मा, अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक मेकॉन लिमिटेड थे एवं गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में प्रदीप कुमार हजारी विशेष सचिव सह सलाहकार कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड सरकार थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) शुचितांगशु चटर्जी ने 2025 बैच के पीएचडी, पीजी और यूजी के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट उपलब्धियां के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में पीएचडी, स्नात्कोत्तर, स्नातक,एवं डिप्लोमा विद्यार्थियों की 636 डिग्री प्रदान की गई, 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर (डॉ.) शुचितांगशु चटर्जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि इस शानदार सफलता के लिए आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक बधाई जिसमें को करने और संस्था के मूल्यों को बनाए रखना चाहिए। आपको आत्मचिंतन करने की क्षमता तथा दुनिया के साथ जुड़ने में मदद मिलनी चाहिए। सफलता को धन से न तोलें। आपकी सफलता उन लोगों में से है, जिनके आप काम में आएंगे, उन सकारात्मक बदलावों में हैं, जो आप समाज में लाएंगे। सफलता को पैसे से मत मापो। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां से उपाधियां प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स नौकरी ढूंढने वाले नहीं बल्कि नौकरी बनाने वाले बनेंगे।उन्होंने कहा कि

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, यह आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण का भी एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। ज्ञान की इस यात्रा के दौरान आपने जो कुछ भी सीखा है, वह केवल आपकी डिग्री में ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व का एक अभिन्न अंग बन चुका है।

## सुविचार

**सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।**

## राजभवन बनाम लोकभवन की संस्कृति

केंद्र सरकार ने भारत के सभी राजभवनों को लोकभवन कहे जाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी कई अवसरों पर गुलामी के प्रतीकों को समाप्त करने का संदेश दे चुके हैं, स्वाभाविक है इससे गहन रूप से घर कर गई वैचारिक गुलामी की मानसिकता भी धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि पर नव निर्मित दिव्य-भव्य मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि आगामी 10वर्षों तक गुलामी की मानसिकता को समाप्त रकने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। इसी श्रृंखला में देश में शासन के प्रतीकों में शांत किंतु गहन व व्यापक प्रभाव डालने वाले परिवर्तन किए जा रहे हैं । सनातन हिंदू सभ्यता में नामों का विशेष महत्व है । माना जाता है कि व्यक्ति का जैसा नाम होगा उसका प्रभाव व व्यक्तित्व भी उसी प्रकार होगा। उपनिवेशकालीन शाही ठिकानों की छवि लिए राजभवनों को अब लोकभवन नाम दिया गया है। राजभवन का नामकरण लोकभवन करने का तात्पर्य है उसे लोकहितकारी बनाना। इस परिवर्तन का उद्देश्य यह भी है कि इन भवनों में निवास करने वालों को स्मरण रहे कि उनका काम शक्ति प्रदर्शन नहीं अपितु जनसेवा है। मोदी सरकार ने इसके पूर्व भी कई स्थानों के नाम बदले हैं जैसे राजपथ अब कर्तव्यपथ है। राजपथ का अर्थ है ह्लराजा का मार्गह्व जो शक्ति का प्रतीक है, वहीं कर्तव्य पथ, कर्तव्य का स्मरण कराता है। वर्ष 2016 में रेस कोर्स का नाम परिवर्तित करके इसको लोक कल्याण मार्ग किया गया। अब प्रधानमंत्री कार्यालय के नए परिसर को सेवा तीर्थ नाम दिया गया है । यह नाम बताता है कि प्रधानमंत्री कार्यालय सेवा और समर्पण की भावना का केंद्र है न कि मात्र प्रशासनिक केंद्र। इसी प्रकार केंद्रीय सचिवालय का नाम भी बदला गया है और उसे अब कर्तव्य भवन कहा जाता है। नाम परिवर्तन का उद्देश्य है विचारों में परिवर्तन लाना। सभी सरकारी संस्थाएं अब सेवा और कर्तव्य की भाषा बोल रही हैं। गुजरात लोकभवन ने सोशल मीडिया में अपने चित्र साझा करते हुए लिखा है, ह्ल यह परिवर्तन केवल नाम का नहीं अपितु जनसेवा की भावना को और गहराई से आत्मसात करने का संकल्प है ह्ल अब यह भवन केवल राज्यपाल का निवास नहीं नागरिकों, विद्यार्थियों , किसानों, शोधकताओं तथा सामाजिक संगठनों का भवन है। कई राज्यों के राज्यपालों ने राजभवन का नामकरण लोकभवन करने की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों को दी है। एक समय था जब राजभवनों का उपयोग केंद्र सरकार द्वारा राज्यों की सत्ता में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए किया जाता था। नेहरू काल से लेकर वर्ष 2014 के पूर्व तक 94 बार राज्यपालों की शक्तियों का दुररुपयोग करके राज्य सरकारें गिराई गयीं और राष्ट्रपति शासन लगाया गया।

यद्यपि अब समय बदल रहा है, राजभवन लोक भवन बन रहे हैं तथापि पंजाब, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में घोर भाजपा विरोधी सरकार हैं जिनका अपने राज्यपालों के साथ विवाद चलता रहता है। अभी हाल ही में इन राज्यों में राज्यपालों के साथ लंबित विधेयकों का प्रकरण उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गया था।

वर्ष 2014 के पूर्व तक राजभवनों मे निवास करने वाले राज्यपाल की पहुंच जनता तक नहीं होती थी किंतु अब यह संभव हो गया है। बंगाल के हालात बहुत दयनीय हैं और कई बार वहां राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई हैं, केरल और तमिलनाडु की स्थिति भी अच्छी नहीं है किंतु राज्यपालों ने अत्यंत संयमित रूप से कार्य किया है। राज्यपालों ने जनता के मध्य जाकर परिस्थितियों पर नियंत्रण प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। नाम में क्या रखा हैह्व, कहने वाले लोग इस प्रयास का उपहास कर सकते हैं। राजभवन बनाम लोक भवन पर व्यापक वाद-विवाद भी हो सकता है किंतु जो परिवर्तन लोक भवन बने राजभवन में दिख रहे हैं उसकी प्रशंसा तो करनी ही होगी।

## अयोध्या जी, बहुत सुलभ हैं रामलला के दर्शन

रामलला के दर्शन के लिए यदि अयोध्या जी जा रहे हैं तो निश्चित होकर जाएं। ये मानकर जाए कि भगवान के घर जा रहे हैं। उनकी शरण में जा रहे हैं। बस फिर किसी चिंता की जरूरत नहीं। दर्शन के लिए किसी की सिफारिश मत कराइए। सीधे जाइए। दर्शन करिए और 20 से 30 मिनट में दर्शन कर मंदिर से बाहर आ जाइए। हमारा दावा है विश्व के किसी भी धर्म के तीर्थस्थल से इससे ज्यादा सुलभ दर्शन कहीं संभव नही हैं। राम मंदिर आज हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ बन गया है। प्रतिदिन 80 हजार से एक लाख भक्त रामलला के दर्शन कर उन्हें प्रणाम करते हैं। कई अवसर पर तो ये संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा हो जाती है। आज दुनिया भर में बसे लगभग हर सनातनी के मन में एक ही इच्छा है किसी तरह वह अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन कर सके। भगवान राम को शीश नवाए। हाल ही में हम पत्रकारों के एक सम्मेलन में अयोध्या जी में थे। रामलला के दर्शनों के लिए आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देख मेरे एक साथी लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शर्मा ने कहा था कि अयोध्या जी आने वाले समय में हिंदुओं का प्रमुख श्रद्धा का केंद्र होगा। यहां प्रत्येक हिंदू-सनातनी आकर शीश नवाना अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाएगा। शीश नवाकर अपने को कृतार्थ मानेगा। अयोध्या में राम मंदिर बनने से पहले कभी श्रद्धालुओं को संकरी गलियों से गुजरने के बाद टेढ़े मेढ़े और उभर खाबड़ रास्तों से गुजरकर मंदिर तक पहुंचना होता था। आम श्रद्धालुओं के लिए ये यात्रा और कितनी दुरूह रहती होगी, यह समझते बनता है। इस सबके बावजूद यहां आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह और जोश देखते बनता था। अब मंदिर परिसर बन गया। भव्य मंदिर बन गया। 25 नंवबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर पर भव्य ध्वजारोहण करेंगे। भव्य समारोह होगा। इस आयोजन के प्रत्यक्षदर्शी बनने के लिए दुनिया भर से हजारों प्रमुख व्यक्ति आ रहे है। उम्मीद है कि ध्वजारोहण के दिन अयोध्या में वीवपीआईपी के एक सौ के आसपास जेट आएंगे। अयोध्या आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु इस बात को लेकर आंशकित होता हैं, कि इतनी भीड़ में दर्शन कैसे होंगे? पूजा कैसे होगी? प्रसाद कैसे चढ़ेगा? सब चाहते हैं कि मंदिर आगमन की स्मृति फोटो के रूप में अपने पास सुरक्षित रखें। यहां स्थिति अन्य मंदिर से बिल्कुल भिन्न है। यहां न पूजा की व्यवस्था है, न प्रसाद चढ़ने का प्रबंध। यहां पूजन कराने वाले पुजारी भी नही है। यहां तो बस मंदिर आइए। रामलला के दर्शन करिए। प्रभु को शीश नवाइए और बाहर आ जाइए। यहां प्रसाद लेकर जाने की जरूरत नही है। मंदिर की ओर से प्रत्येक श्रद्धालु को प्रसाद मिलता है। मंदिर परिसर में मोबाइल वर्जित है। परेशानी उन्हें होती है जो सुरक्षा कर्मियों की नजर बचाकर मोबाइल मंदिर में लेकर जाना चाहते हैं। सुरक्षा जांच में मोबाइल पकड़ा जाता है। इन मोबाइल ले जाने वालों को लौटकर मंदिर के गेट पर आकर लॉकर में फोन रखकर फिर दर्शन को जाना पड़ता है। इस तरह इन्हें अन्य श्रद्धालुओं से एक डेढ़ किलोमीटर ज्यादा चलना होता है। मंदिर में अपना सामान करने के लिए लॉकर की व्यापक व्यवस्था है, किंतु इस काम में लगभग आधा घंटा लग जाता है। अच्छा यह है कि अपना पर्स, लैदर की बैल्ट, मोबाइल और कैमरा अपने कमरे पर छोड़ कर आए। अपनी आईडी और जरूरत के लिए रुपये अपनी जेब में रखलें। हमने ऐसा ही किया। इससे मंदिर के लॉकर में सामान जमा करने का हमारा आधे से एक घंटा बच गया। हम दर्शन कर 20 से 25 मिनट में मदिर से बाहर आ गए। व्हील चेयर लेने वालों और दिव्यांग के लिए तो और सुविधा है। उनका जाने का रास्ता अलग से है।

# ताइवान संकट, जापान की सुरक्षा नीति और भारत के लिए बदलता इंडो-पैसिफिक समीकरण

**साल 2022 में चीनी मिसाइलों का जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरना इस बात का सटीक संकेत था कि ताइवान संकट सीधे जापान के भू-राजनीतिक वातावरण को प्रभावित करता है। इसी कारण जापान ने अपनी सुरक्षा-रणनीति में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। दशकों से चले आ रहे शांतिवादी दृष्टिकोण के बावजूद उसने रक्षा-व्यय को दोगुना कर जीडीपी के 2% तक ले जाने का निर्णय लिया है।**

**डॉ प्रियंका सौरभ**

जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में आज ताइवान का प्रश्न है, जिसने पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शक्ति-संतुलन को नया मोड़ दे दिया है। भौगोलिक निकटता, समुद्री हितों और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं के कारण जापान ताइवान की स्थिरता को अपने ही राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का विस्तार मानता है। पिछले कुछ वर्षों में चीन द्वारा ताइवान के आसपास की सैन्य गतिविधियों में तेजी- चाहे वह वायु क्षेत्र का उल्लंघन हो, मिसाइल परीक्षण हों या बड़े पैमाने पर नौसैनिक अभ्यास ने जापान की खतरा-धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। साल 2022 में चीनी मिसाइलों का जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरना इस बात का सटीक संकेत था कि ताइवान संकट सीधे जापान के भू-राजनीतिक वातावरण को प्रभावित करता है। इसी कारण जापान ने अपनी सुरक्षा-रणनीति में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। दशकों से चले आ रहे शांतिवादी दृष्टिकोण के बावजूद उसने रक्षा-व्यय को दोगुना कर जीडीपी के 2% तक ले जाने का निर्णय लिया है। लंबे समय से निष्क्रिय पड़े सैन्य ढाँचों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर नई मिसाइल तैनाती की जा रही है और अमेरिका के साथ संयुक्त संचालन क्षमता को काफी बढ़ाया गया है। जापान समझता है कि यदि ताइवान में संघर्ष उत्पन्न होता है तो चीन की आक्रामकता सेंकाकू द्वीपों और जापानी जलक्षेत्रों की ओर भी बढ़ सकती है। इसलिए उसकी पूरी सुरक्षा-दृष्टि अब ताइवान जलडमरूमध्य की स्थिरता से गहराई से जुड़ चुकी है। यह परिवर्तन उसकी विदेश-नीति में भी स्पष्ट दिखाई देता है। पहले जहाँ जापान ताइवान मुद्दे पर खुलकर बोलने से कतराता था, आज वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार ह्लताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरताह्व को अनिवार्य बता रहा है। चीन के प्रति उसका कूटनीतिक रुख कहीं अधिक सख्त हुआ है। ताइवान को लेकर जापानी प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर चीन की धमकियों के बाद जापान द्वारा चीनी राजदूत को तलब करना इस बदलाव का प्रतीक है। साथ ही जापान अब क्वाड, आसियान देशों और यूरोपीय साझेदारों के साथ नई सुरक्षा-संरचनाएँ विकसित कर रहा है, ताकि चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता का संतुलन बनाया जा सके। यह संपूर्ण परिदृश्य भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और जापान दोनों चीन की आक्रामक प्रवृत्ति से चिंतित हैं, इसलिए दोनों देशों के बीच सुरक्षा-सहयोग स्वाभाविक रूप से गहरा हो रहा है। क्वाड की सामरिक महत्ता बढ़ी है और हिंद-प्रशांत में समुद्री निगरानी, नौसैनिक अभ्यास और तकनीकी सहयोग में तेजी आई है। जापान का सैन्य आधुनिकीकरण भारत के लिए रक्षा-उद्योग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में नए अवसर खोलता है। परंतु चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। भारत चीन के साथ स्थिर संबंध बनाए रखना चाहता है, क्योंकि सीमा-क्षेत्र की शांति और आर्थिक सहयोग उसकी प्रत्यक्ष आवश्यकता है। किंतु चीन-जापान तनाव का बढ़ना भारत-चीन संतुलन को और जटिल बनाता है। यदि भारत जापान और अमेरिका के साथ ज्यादा निकटता दिखाता है तो चीन सीमा पर दबाव बढ़ा सकता है। दूसरी बड़ी चिंता ताइवान जलडमरूमध्य में किसी भी सैन्य संकट से जुड़ी है। भारत के लिए यह समुद्री मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है; यहाँ किसी भी अस्थिरता से ऊर्जा आयात, व्यापार, इलेक्ट्रॉनिक चिप आपूर्ति और संपूर्ण समुद्री परिवहन पर भारी असर पड़ेगा। इससे भारत की आर्थिक गति और सुरक्षा व्यवस्था दोनों को जोखिम हो सकता है। तीसरी चुनौती अमेरिका की ह्लरणनीतिक अस्पष्टताह्व है। अमेरिका ने कभी स्पष्ट नहीं कहा कि ताइवान पर हमले की स्थिति में वह सैन्य हस्तक्षेप करेगा या नहीं। यह अनिश्चितता पूरे क्षेत्र को दुविधा की स्थिति में डालती है। जापान और ताइवान तो इससे चिंतित हैं ही, भारत के लिए भी यह प्रश्न महत्वपूर्ण है, क्योंकि क्वाड की वास्तविक उपयोगिता इसी पर निर्भर करती है कि अमेरिका किस हद तक निर्णायक भूमिका निभाता है। यदि अमेरिका अनिश्चित रहता है, तो चीन को क्षेत्र में और आक्रामक कदम उठाने का प्रोत्साहन मिल सकता है, जिसका असर भारत की सुरक्षा-संतुलन पर भी पड़ेगा। इन जटिलताओं के बीच भारत के लिए अवसर भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जापान की नई सक्रियता रक्षा-उद्योग सहयोग, समुद्री तकनीक, पनडुब्बी क्षमता और संयुक्त सैन्य अभ्यासों को नई दिशा दे सकती है। भारत और जापान मिलकर एक स्थिर और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक की दिशा में ठोस कदम उठा सकते हैं। व्यापार-मार्गों का विविधीकरण भी भारत के लिए अनिवार्य होगा, ताकि ताइवान जलडमरूमध्य पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके।

अंततः ताइवान संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इंडो-पैसिफिक का भविष्य अब पुराने समीकरणों पर नहीं चल सकता। जापान अपनी सुरक्षा-रणनीति को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है, चीन अपनी शक्ति का विस्तार जारी रखे हुए है और अमेरिका अपनी भूमिका को आंशिक रूप से पुनसंतुलित कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में भारत को अत्यंत संतुलित, चतुर और बहुस्तरीय कूटनीति अपनानी होगी- ऐसी कूटनीति, जो न तो चीन से अनावश्यक टकराव पैदा करे और न ही जापान, अमेरिका तथा अन्य साझेदारों के साथ बढ़ते सहयोग को धीमा करे।

इंडो-पैसिफिक के बदलते समीकरण भारत के लिए चुनौतीपूर्ण भी हैं और अवसर भी। यह समय भारत की सामरिक परिपक्वता, आर्थिक शक्ति-विस्तार और निर्णायक विदेश-नीति का है। यदि भारत इन सभी पहलुओं को संतुलित रूप से साध लेता है तो वह न केवल क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन को प्रभावित करेगा बल्कि आने वाले वर्षों में इंडो-पैसिफिक के भविष्य का एक प्रमुख निर्धारक भी बनेगा।

**(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# एंटीबायोटिक्स का मकड़जाल, सुपरबग्स का बढ़ता खतरा

**सन 1928 में लंदन के सेंट मैरी हॉस्पिटल मेडिकल स्कूल में कार्यरत स्कॉटलैंड के वैज्ञानिक अलेक्जेंडर फ़्लेमिंग ने जीवाणुओं (बैक्टीरिया) पर शोध करते हुए एंटीबायोटिक पेनिसिलिन की खोज की। दूसरे विश्वयुद्ध में जब लाखों घायल सैनिक संक्रमण से मर रहे थे, तब पेनिसिलिन वरदान साबित हुई। इससे अनगिनत सैनिकों की जान बचाई गई। पेनिसिलिन ने चिकित्सा विज्ञान की दिशा बदल दी और इसे आधुनिक एंटीबायोटिक युग की शुरूआत माना जाता है।**

**प्रदीप श्रीवास्तव**

किसी भी बीमारी के लिए एंटीबायोटिक्स यानी रोग प्रतिरोधी दवाएँ बहुत कारगर मानी जाती हैं। यही वजह है कि बाजार में सबसे ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएँ बिकती हैं। हालाँकि, इनके अंधाधुंध प्रयोग से हमारे देश में ह्लसुपरबग्सह्व जैसी खतरनाक स्थिति पैदा हो गई है, जहाँ दवाएँ बेअसर हो जाती हैं और सामान्य बीमारी भी जल्दी ठीक नहीं होती है। उनके इलाज पर बहुत ज्यादा खर्च करना पड़ता है। चिंता की बात यह है कि पोल्ट्री और डेयरी फार्मिंग में भी एंटीबायोटिक्स का अत्यधिक प्रयोग किया जा रहा है। नतीजतन, अगर हम खुद एंटीबायोटिक्स कम लें तो भी यह समस्या दूसरे रूप में हमें घेरे रहेगी। इसलिए सरकार ने एंटीबायोटिक्स के प्रयोग को लेकर गाइडलाइन जारी की है, जिसमें इनके इस्तेमाल को लेकर कई तरह के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

सन 1928 में लंदन के सेंट मैरी हॉस्पिटल मेडिकल स्कूल में कार्यरत स्कॉटलैंड के वैज्ञानिक अलेक्जेंडर फ़्लेमिंग ने जीवाणुओं (बैक्टीरिया) पर शोध करते हुए एंटीबायोटिक पेनिसिलिन की खोज की। दूसरे विश्वयुद्ध में जब लाखों घायल सैनिक संक्रमण से मर रहे थे, तब पेनिसिलिन वरदान साबित हुई। इससे अनगिनत सैनिकों की जान बचाई गई। पेनिसिलिन ने चिकित्सा विज्ञान की दिशा बदल दी और इसे आधुनिक एंटीबायोटिक युग की शुरूआत माना जाता है। हालाँकि, साल 1945 के बाद से ही फ़्लेमिंग ने खुद चेतावनी दी कि एंटीबायोटिक के बहुत ज्यादा प्रयोग से प्रतिरोध पैदा होगा। यही हुआ, एंटीबायोटिक का अंधाधुंध प्रयोग शुरू हो गया, जिससे बीमारी एक बार ठीक होने बाद दोबारा होने पर उससे कई तरह की परेशानियाँ शुरू होने लगी। अब यह समस्या और बड़ी बनने लगी है क्योंकि भारत जैसे देशों में बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक लेना, अधूरा कोर्स करना और छोटी-मोटी बीमारी में भी इसका इस्तेमाल आम बात है। ज्यादा एंटीबायोटिक के प्रयोग से हमारे शरीर के बैक्टीरिया, दवाइयों के प्रति प्रतिरोधक विकसित कर लेते है इसे एंटीमाइक्रोबियल रेज़िस्टेंस कहा जाता है और यह स्थिति ह्लसुपरबग्सह्व के रूप में उभरकर सामने आती है। यानी ऐसी स्थिति जिसमें ताकतवर जीवाणु, दवाओं से नहीं मरते और उन पर साधारण एंटीबायोटिक काम नहीं करती। ऐसे में न सिर्फ मरीजों पर दवाओ का खर्च बढ़ता जाता है, बल्कि भविष्य में वह कई बीमारियों को न्योता देता है और सामान्य संक्रमण यानी खाँसी, बुखार, घाव का इन्फेक्शन होने पर इसका इलाज भी मुश्किल हो जाता है। पहले जिन बीमारियों का इलाज 100 रुपये की दवा से हो जाता था, उनके लिए अब लाखों रुपये की नई और महँगी दवाएँ या इंजेक्शन लगते हैं। क्योंकि वह छोटी या सामान्य बीमारी पर दवाएँ बेअसर होती है, उन्हें ठीक करने के लिए कई तरह की जाँचें करानी पड़ती है और नई किस्म की दवाएँ देनी पड़ती है और मरीज को अस्पताल में ज्यादा दिन भर्ती रहना पड़ता है।

बार-बार एंटीबायोटिक लेने से डायरिया, एलर्जी, त्वचा पर दाने जैसी समस्याएँ भी आने लगती हैं और लंबे समय में किडनी, लीवर और पेट पर असर पड़ता है। सबसे बड़ी बात है कि एंटीबायोटिक हानिकारक बैक्टीरिया के साथ-साथ अच्छे बैक्टीरिया को भी मार देते हैं। इससे खराब पाचन, इम्युनिटी कमजोर और बार-बार संक्रमण की समस्या हो सकती है। भारत पहले से ही एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस का हॉटस्पॉट बन चुका है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल लगभग 7 लाख लोग एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस से जुड़ी बीमारियों से प्रभावित होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि अगर इस समस्या पर रोक नहीं लगी तो साल 2050 तक भारत समेत विश्व में एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस के कारण 1 करोड़ मौतें प्रति वर्ष हो सकती हैं। भारत में एंटीबायोटिक्स का बाजार बहुत बड़ा है, क्योंकि यहाँ संक्रमण संबंधी बीमारियाँ आम हैं। 2023 में भारत में एंटीबायोटिक्स का बाजार करीब 49,000 करोड़ रुपए का था। अनुमान है कि 2024ञ्2030 के बीच यह बाजार लगभग 6ञ्7% चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा और साल 2030 तक यह बाजार 83,000 करोड़ रुपए तक पहुँच सकता है। मालूम हो कि भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एंटीबायोटिक उत्पादक देश है। यहाँ बनने वाले जेनेरिक एंटीबायोटिक्स का एक बड़ा हिस्सा अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका को निर्यात होता है। भारतीय फार्मा कंपनियाँ दुनिया भर के 20% से अधिक जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करती हैं। द लैंसेट की 2022 रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति एंटीबायोटिक खपत दुनिया में सबसे अधिक है। अनुमान है कि हर साल भारत में लगभग 1,300 करोड़ से अधिक की खुराक एंटीबायोटिक की ली जाती हैं। इसमें से भी ग्रामीण और छोटे शहरों व कस्बों में एंटीबायोटिक का उपयोग बड़े शहरों की अपेक्षा बहुत अधिक होता है। भारत सरकार ने शेड्यूल एच-1 लागू किया है, जिसके तहत कई एंटीबायोटिक दवाएँ केवल पर्चे पर ही मिल सकती हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम को लागू किया जा रहा है ताकि दुरुपयोग कम हो, फिर भी समस्या जस की तस है। साल 2025 में भारत की जनसंख्या लगभग 1.40 अरब है, यानी भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। देश में करीब लगभग 93 करोड़ आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जबकि शहरों में लगभग 50 करोड़ लोग निवास करते हैं। उसमें स्थिति देखें तो सर्दी-खाँसी-जुकाम, बुखार, डायरिया जैसी बीमारियाँ से हर साल भारत में करीब 30ञ्35 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होते हैं और लगभग 6.2 करोड़ डायबिटीज और 7.7 करोड़ हृदय रोग से पीड़ित हैं। साल 2024 तक हमारे देश में कुल पंजीकृत डॉक्टरों की संख्या लगभग 13 लाख हैं, इनमें से 10.4 लाख एलोपैथिक डॉक्टर और 4.5 लाख आयुष डाक्टर (आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी आदि) हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार 1,000 की जनसंख्या पर कम से कम 1 डॉक्टर होना चाहिए। जबकि भारत में 1,000 की आबादी पर मात्र 0.7 डॉक्टर उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात और भी कम है और कई राज्यों में 1000 की आबादी पर मात्र 0.2 डाक्टर हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी, 2023 की रिपोर्ट की माने तो देश में 1.55 लाख सब-सेंटर, 25,000 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 5,600 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इनमें से लगभग 65ञ्70% स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण इलाकों में स्थित हैं। भले ही देश में करीब एक लाख से ज्यादा स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण इलाकों में हों, लेकिन अभी भी यहाँ डाक्टरों और स्वास्थ्य केंद्रों की भारी कमी है। देश में साधारण बीमारियों से हर साल करीब 30 करोड़ लोग प्रभावित हैं, जिनका इलाज कुछ लाख डाक्टरों या स्वास्थ्य केंद्रों के भरोसे संभव नहीं है। हालाँकि, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् और स्वास्थ्य मंत्रालय ने एंटीबायोटिक उपयोग पर नियंत्रण के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें जोर दिया गया है कि एंटीबायोटिक केवल बैक्टीरियल संक्रमण में ही दी जाए और साधारण सर्दी-जुकाम या फ्लू में नहीं। डॉक्टर की पर्ची अनिवार्य होगी और अस्पतालों को एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम अपनाना होगा। साथ ही, दवा की अवधि को कम से कम रखने और मरीजों को पूरी जानकारी देने पर जोर दिया गया है। मालूम हो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एंटीबायोटिक को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया है, पहला एक्सेस यानी वे एंटीबायोटिक जो सामान्य संक्रमण के लिए सुरक्षित हैं और इनका कोई ज्यादा साइड इफेक्ट नहीं है। दूसरी श्रेणी है वॉच की, इनका उपयोग सीमित परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए और इनके लिए निगरानी जरूरी है। तीसरी श्रेणी है रिजर्व की, ये अंतिम विकल्प की दवाइयाँ हैं, जिन्हें केवल जीवन-रक्षक स्थिति में ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत भी इसी गाइडलाइन का पालन करता है और डॉक्टरों को सलाह भी दी गई है कि वे केवल जरूरत पड़ने पर ही एंटीबायोटिक लिखें और मरीजों को पूरी जानकारी दें।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# कामाख्या बीज मंत्र, तंत्र शक्ति का द्वार

मां कामाख्या शक्ति के सबसे पूजनीय रूपों में से एक हैं। देवी कामाख्या असीम आध्यात्मिक शक्ति और तंत्र साधना से जुड़ी हैं। वहीं मां कामाख्या का बीज मंत्र काफी शक्तिशाली माना जाता है। इस बीज मंत्र का नियमित रूप से जाप करने से सुख-समृद्धि, धन और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। मां कामाख्या का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए इस मंत्र का जाप किया जाता है। कामाख्या देवी आदिशक्ति का एक रूप हैं, यह भारत में फैले 52 शक्तिपीठों में से एक हैं। मां कामाख्या देवी को तांत्रिक देवी भी कहा जाता है और यह मंदिर असम में है। तो आइए जानते हैं कामाख्या देवी के बीज मंत्र, महत्व और जप विधि के बारे में नारद मुनि भी फंसे मोह-माया के जाल में, विश्वमोहिनी के स्वयंवर में अमरता की आस कामाख्या बीज मंत्र

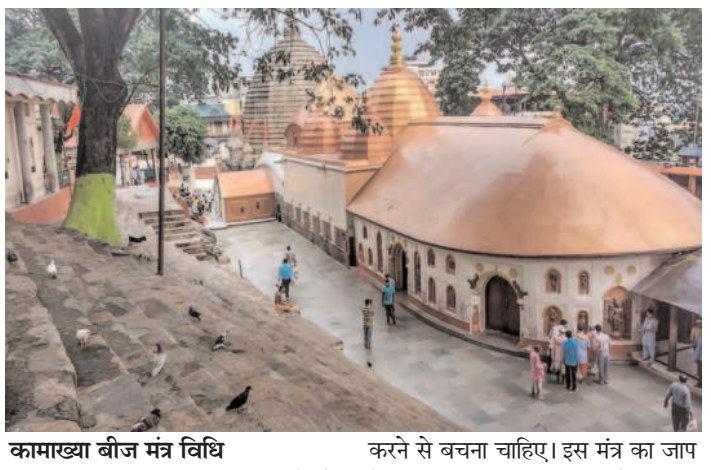

**कामाख्या बीज मंत्र विधि**

कामाख्या बीज मंत्र का जाप करने से पहले शुद्धता का विशेष ध्यान देना चाहिए। मंत्र का जाप करने से पहले लहसुन-प्याज, अन्य मसाले वाले भोज्य पदार्थ और मांसाहारी भोजन का सेवन करने से बचना चाहिए। इस मंत्र का जाप रोजाना सुबह प्रातः काल में करना चाहिए। मंत्र का जाप करने तक आप व्रत भी कर सकते हैं। मंत्र का जाप करने के दौरान मन में कोई अन्य विचार नहीं आना चाहिए।

आप मां कामाख्या को भोग में फल, मेवे और मिठाई आदि का भोग लगा सकती हैं। आप रुद्राक्ष की 108 मोती की माला से मंत्र जाप कर सकती हैं। आप 108 बार इस मंत्र का जाप कर सकते हैं या फिर अपनी शक्ति के मुताबिक भी जाप कर सकते हैं। नियमित 41 दिनों तक इस मंत्र का जाप करने से जातक को मां कामाख्या का आशीर्वाद प्राप्त होता है।मंत्र की समाप्ति के बाद मां को लगाया गया भोग प्रसाद के रूप में ग्रहण करना चाहिए। वहीं पूजा का समापन मां कामाख्या का आशीर्वाद लेकर करना चाहिए।

**आकर्षण में होगी वृद्धि**

इस मंत्र का जाप करने से जातक के आकर्षण में वृद्धि होती है और उनको अपने साथी के प्रति अधिक आकर्षण बना सकता है। वहीं यह उनको एक सफल प्रेम जीवन जीने में मदद करता है।

**उत्पादकता में होगी वृद्धि**

कामाख्या मंत्र का जाप करने से उत्पादकता और रचनात्मकता बढ़ती है। जातक अपने विचारों को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाता है और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करता है।

**शक्ति और आत्मविश्वास में होगी वृद्धि**

कामाख्या मंत्र के जाप से जातक की शक्ति और आत्मविश्वास बढ़ता है। यह जातक को जीवन में चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता कर सकता है।

**तंत्र साधना में सफलता**

इस मंत्र का जाप करने से सफलता मिलती है। यह मंत्र जातक को मां कामाख्या की शक्तियों तक पहुंचने और उनको अपने जीवन में प्रकट करने में सहायता करता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

**email : metrorays.ranchi@gmail.com**

## न्यूज IN ब्रीफ

### विद्यार्थियों को वायु सेना में करियर बनाने का मिला टिप्स

**साहिबगंज :** औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज में भारतीय वायु सेना में करियर बनाने हेतु इच्छुक छात्रों के लिए विशेष करियर काउंसेलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। कार्यक्रम के दौरान इंडियन एयर फोर्स के अधिकारीगण प्रवीण कुमार द्विवेदी एवं किरण नेवार के द्वारा छात्रों को भारतीय वायु सेना जैसे प्रतिष्ठित बल में शामिल होकर देश और परिवार का नाम रोशन करने की अपील की गई ।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ऑफिसर और नॉन-ऑफिसर दोनों स्तरों पर भर्ती प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने एनडीए, सीडीएस, एएफसीएटी, एसटीएआर और अग्निवीर परीक्षाओं के पात्रता मापदंड, चयन प्रक्रिया और एसएसबी इंटरव्यू की विभिन्न चरणों को विस्तार से समझाया। सत्र के दौरान उन्होंने छात्रों से सवाल-जवाब कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया साथ ही उनकी समझ को परखा। जबकि

वायुसेना में करियर संभावनाओं पर चर्चा करते हुए छात्रों में नया आत्मविश्वास जगाया गया ।अंत में भारतीय वायु सेना से संबंधित पंपलेट और पोस्टर भी वितरित किए गए।कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया।

### 6 विकेट से जीता मां गायत्री क्रिकेट क्लब बोरियो

**साहिबगंज :** जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत शुक्रवार को माही स्पोर्ट्स ब्लू बनाम मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के बीच मैच खेला गया। माही स्पोर्ट्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 104 रन बनाए। अंश राज ने 43 व प्रिंस राज ने 21 रन की पारी खेली। मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के गेंदबाज शुभम कुमार ने 6 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मां गायत्री क्रिकेट क्लब, बोरियो 11.3 ओवर में 4 विकेट पर 105 रन बना कर 6 विकेट से मैच जीत लिया। शुभम कुमार ने 33, अनिकेत शर्मा ने 15 रन की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स ब्ल्यू के गेंदबाज अनुकान्त कुमार ने 2 विकेट लिए। मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के खिलाड़ी शुभम कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव मो अशफाक आलम ने शुभम कुमार को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व हयातुल्लाह एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया। टूर्नामेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि 06 दिसंबर माही स्पोर्ट्स येलो बनाम रेलवे स्कूल के बीच मैच खेला जाएगा।

### पिकअप वाहन से सामान उतारने के दौरान नीचे गिरने से एक व्यक्ति हुआ घायल

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मिजाचौकी में पिकअप वाहन से सामान उतारने के दौरान नीचे गिरने से नगर थाना क्षेत्र के पुरानी साहिबगंज निवासी व्यक्ति सागर यादव पिता परीक्षन यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। जहां इस घटना के बाद उसे अन्य सहयोगियों की मदद से सीएचसी मिजाचौकी इलाज के लिए ले जाया गया ।जहां उसे बेहतर इलाज हेतु जिला सदर अस्पताल भेज दिया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. ऋतुराज ने फौरन इलाज किया। उधर इस दुर्घटना में घायल व्यक्ति के बायां कान कट गया है जिसक सदर अस्पताल में इलाज किया गया।

### सहयोग के लिए व्यापक स्तर पर मिलकर काम करने की जरूरत है : सच्चिदानंद

**साहिबगंज :** जिला भूतपूर्व सैनिक संघ एवं झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी की संयुक्त बैठक प्रगति भवन के सभागार में हुई ।जिसकी अध्यक्षता जिला भूतपूर्व सैनिक संघ के संरक्षक सूबेदार मेजर नागेंद्र नाथ शाह सेवानिवृत्त ने किया।बैठक के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी के सचिव डॉक्टर सच्चिदानंद ने कहा कि समाज की बेहतरीन व सहयोग से सहयोग के लिए व्यापक स्तर पर मिलकर काम करने की जरूरत है ।पूर्व जिला सैनिक साहिबगंज और झारखंड राज्य भाषा साहित्यकार ने मिलकर इस काम को आगे बढ़ाएंगे। इसके तहत गोष्ठियों का आयोजन पर्यावरण संरक्षण जल व जलीय जीव के संरक्षण के लिए ₹जल मंच₹ के माध्यम से आमजन को संवेदनशील एवं जागरुक करने का काम किया जाएगा ।इसके लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी।आगामी 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस,20 दिसंबर को भिखारी ठाकुर जयंती 2 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस एवं 30 जनवरी 2026 को पराक्रम दिवस मनाने पर सहमति बनी ।सूबेदार गौतम कुमार गिरि ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण संवर्धन,जंगल बचाने,जल एवं जलीय जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए₹जल मंच₹ किया जायेगा ।श्री गिरी ने कहा कि मानवाधिकार दिवस के अवसर संगोष्ठी ₹मानवाधिकार सभी के लिए सामाजिक सेवा और गरिमा₹ विषायक होगी ।इस अवसर पर मानव अधिकारों और मानवीय गरिमा की रक्षा का काम करने वाले विशिष्ट जनों एवं संस्थानों को सम्मानित किया जाएगा ।शिक्षक, चिकित्सा पुलिसकर्मी,विभिन्न संस्थाओं के सदस्य पत्रकार एवं साहित्यकार को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए चयन समिति का गठन किया गया है ।चयन समिति के संयोजक डॉ सच्चिदानंद,सदस्य मेजर सूबेदार नागेंद्र नाथ साह,साहित्यकार अनिरुद्ध प्रभास सदस्य होंगे।

## झोलाछाप डॉक्टर ने ली युवती की जान

# पथरी का ऑपरेशन करने के दौरान कई अहम अंग काट दिया

संवाददाता

**साहिबगंज :** इन दोनों जिला संहिता आसपास क्षेत्र में नर्सिंग होम खोलकर आम जनों से इलाज के नाम पर लाखों रुपया कमाई की जा रही है इलाज करने आऐ ना आऐ वह खुलेआम अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। ऐसी एक घटना शहरी क्षेत्र के नगर थाना अंतर्गत शास्त्री नगर निवासी महिला नीतू देवी उम्र 33 वर्ष पति विजय राम के परिजनों ने जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के साक्षरता मोड़ के समीप संचालित निजी क्लिनिक रमैया केयर अस्पताल के ऊपर लापरवाही से इलाज करने का आरोप लगाते हुए जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। जहां मृतक महिला के भाई पंकज राम ने बताया कि बीते दिनों सात नवंबर को उसने अपनी बहन का पथरी का ऑपरेशन रमैया केयर अस्पताल में जनरल सर्जन जितेंद्र शर्मा से कराया था। जिसमें रमैया केयर अस्पताल के द्वारा लगभग 37 से 38 हजार रुपए का बिल भरा गया। उधर मृतक महिला के

भाई ने बताया कि उसने अपनी बड़ी बहन के गॉल ब्लाडर में पथरी होने की बात कहकर रमैया केयर अस्पताल से संपर्क स्थापित करते हुए उनसे इलाज करने का अनुरोध किया गया था। जहां अस्पताल प्रबंधन ने उनकी बहन के खून का सैंपल लेने के बाद ऑपरेशन करने का समय सात नवंबर को दिया था। उधर जब वो अपनी बहन को रमैया केयर अस्पताल लेकर आया तो रात के आठ बजे तक उसकी बहन का पथरी का ऑपरेशन नहीं किया था। जहां देर रात लगभग एक बजे के बाद उसकी बहन का पथरी का ऑपरेशन किया था। और वही पथरी का ऑपरेशन करने के बाद उसकी बड़ी बहन को अस्पताल प्रबंधन ने 5 दिनों तक अपनी निगरानी में रखने के बाद 12 नवंबर 2025 को यह कहकर हायर सेंटर रेफर कर दिया था। रेफर के बाद बड़ी बहन का पथरी का ऑपरेशन होने के बाद पानी नहीं रुक रहा था जिनका यहां इलाज संभव नहीं है। बाद में परिजन उसे आनन फानन में बेहतर इलाज हेतु बिहार के भागलपुर जिले के डॉ. पंकज कुमार पासवान व डॉ. एन. के. यादव से भी दिखाए मगर यहां भी इलाज नहीं हो पाने की स्थिति में उन्हें पटना एनएमसीएच रेफर कर दिया गया। जहां पटना एनएमसीएच के चिकित्सक ने नीतू देवी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे कोलकाता के अपोलो हॉस्पिटल लेकर जाने की सलाह दी। जहां अपोलो हॉस्पिटल में इलाज करने वाले चिकित्सक ने परिजनों को बताया कि महिला के पथरी का ऑपरेशन करने के दौरान कई अहम अंग काट दिए गए था जिसके कारण अब इनका बच पाना नामुमकिन है। जहां इलाज के दौरान नीतू देवी की चार दिसंबर को मौत हो गई। उधर कोलकाता के अपोलो हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मृतक नीतू देवी के परिजनों का बिल लगभग 17 लाख रुपए आया जहां एकाएक इतना भारी भरकम बिल चुका नहीं पाने की स्थिति में उसके शव को देने से अस्पताल प्रबंधन ने मना कर दिया। जिसके बाद मृतक महिला के परिजनों ने अपने घर को गिरवी रखकर अपोलो हॉस्पिटल के प्रबंधन को नगद राशि व 3 अलग अलग तारीखों के खाली चेक देकर अपनी बहन के शव को लेकर अपने घर शास्त्री नगर शुक्रवार की सुबह पहुंचे। जहां मृतक महिला के भाई ने बताया कि उसकी बड़ी बहन के पति पेशे से ई रिक्शा चालक है जहां इतना भारी भरकम रकम चुका पाना अब उनके बस की बात नहीं है। वही मृतक महिला को एक पुत्री कशिश कुमारी उम्र 14 वर्ष एवं एक पुत्र निखिल कुमार 11 वर्ष का इस घटना के बाद से रो रोकर बुरा हाल है। उधर मृतक महिला के परिजन पहले इस मामले को लेकर नगर थाना पहुंचे हुए थे जहां मामला जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण उसे संबंधित थाना क्षेत्र में आवेदन देने की बात कहकर लौटा दिया गया। उधर जिरवाबाड़ी थाना पहुंचकर मृतक महिला के परिजनों ने रमैया केयर अस्पताल के ऊपर लापरवाही से इलाज करने का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने व क्षतिपूर्ति दिलवाने की गुहार लगाई है। जहां पुलिस ने मृतक महिला के शव का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। उधर पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है। जबकि लोगों का कहना है कि झोलाछाप डॉक्टर के शिकार होते नजर आ रहे हैं आम आदमी यह मामला जांच का विषय है।

## एसआईआर कार्य में पारदर्शिता बढ़ेगी : उपायुक्त

संवाददाता

**साहिबगंज :** जिला निर्वाचन पदाधिकारीझसह उपायुक्त श्री हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ, साहिबगंज में एस आई आर और बूथ लेवल एजेंट से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।उपायुक्त ने बैठक की शुरूआत में स्पष्ट किया कि यह बैठक आगामी निर्वाचन अभ्यास के क्रम में होने वाले एसआईआर की प्रक्रिया को समझाने और उससे संबंधित किसी भी प्रकार की भ्रांति को दूर करने हेतु आयोजित की गई है।

क्या है एसआईआर और क्यों है महत्वपूर्ण?

उपायुक्त श्री सती ने जानकारी दी कि एसआईआर एक विशेष समेकित पुनरीक्षण प्रक्रिया है, जो सामान्य एसएसआर से अलग है ।एस आईआर के तहत साल

2003 की मतदाता सूची में दर्ज नाम, औरउपलब्ध 12 विभिन्न प्रकार के सरकारी दस्तावेज के आधार पर पात्र मतदाताओं की पहचान की जाती है ।इसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना, संदिग्ध प्रविष्टियों की जाँच करना, तथा पात्र नागरिकों को सही रूप से मतदाता सूची में शामिल करना है।

बीएलए की भूमिका पर दिया गया जोर

बैठक के दौरान जिला प्रशासन द्वारा राजनीतिक दलों को निर्देश दिया गया कि वे प्रत्येक बूथ पर अपने बीएलए को नामित करें ।उपायुक्त ने कहा कि बीएलए की सक्रिय भागीदारी से एसआईआर कार्य में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी भी प्रकार की गलतफहमी और समस्या से बचा जा सकेगा ।प्रक्रिया को समझने और सहयोग की अपीलउपायुक्त श्री हेमंत सती ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव है, और एसआईआर के माध्यम से हम इसे और अधिक सटीक बनाने की दिशा में कार्यरत हैं ।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। कि सभी दल एस आईआर की प्रक्रिया को सही तरीके से समझें और इस कार्य में सहयोग दें ।बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने बूथ लेवल एजेंटों की सूची समय पर उपलब्ध कराएँ ताकि एस आई आर प्रक्रिया सुचारू रूप से और समय पर संचालित हो सके ।बैठक में उपर समाहर्ता श्री गौतम भगत, उपनिर्वाचक पदाधिकारी श्रीमती सुनीता किस्कू जिला पंचायती राज पदाधिकारी - श्री अनिल कुमार व सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## शराबियों ने रेस्टोरेंट में जम कर की तड़फोड़

## दो शराबी हिरासत में एक फरार

संवाददाता

**साहिबगंज :** जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र स्थित धोबी झरना के पास विदेशी रेस्टोरेंट में नशे में धुत दो शराबियों ने मारपीट कर रेस्टोरेंट में जमकार तोड़फोड़ किया। शराबियों ने रेस्टोरेंट के स्टाफ और मालिक के साथ मारपीट भी किया। जबकि झगड़े की सूचना मिलते ही अपने दल बल के साथ जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी घटना स्थल पर पहुंची। वहीं पहुंचते ही पुलिस के घटना स्थल पर जाने के बाद भी शराबियों ने हाई वोल्टेज ड्रामा करना शुरू कर दिया ।मिली जानकारी के अनुसार की इस दौरान शराबियों ने पुलिस कर्मियों के साथ भी हाथापाई करने की सुचना मिला हालांकि पुलिस तुरंत कार्रवाई करते हुए दो शराबियों को पकड़ कर थाना लाया। इस संबंध में रेस्टोरेंट के कर्मी राजेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार को दिन के करीब 03 बजे शराब के नशे में धुत्त गणेश सिंह, राजेश सिंह और लड्डू सिंह रेस्टोरेंट पहुंचे। उन्होंने चाय मांगा उन तीनों को चाय देने पर उसे फेंक दिया। इसके बाद तीनों वहां बैठे ग्राहकों से उलझ गए। काउंटर पर बैठे दीपक कुमार ने जब तीनों से ऐसा ना करने के लिए कहा तो वे दीपक को मारने लगे। हंगामा देख ग्राहक रेस्टोरेंट से निकल गए। तब किसी तरह गणेश और राजेश को रेस्टोरेंट के अंदर बंद कर दिया गया। इस बीच लड्डू सिंह वहां से भागने में सफल रहा। अंदर गणेश और राजेश ने जमकर तोड़फोड़ किया। रेस्टोरेंट का फर्नीचर, कई मशीन सहित दुकान का सामन बर्बाद कर दिया। दोनों ने गल्ले से रुपए भी निकाल लिया। मालिक दीपक ने कहा कि सारा हंगामा वहां लगे सीसीटीवी में कैद है। मांगे जाने पर वह सभी फुटेज पुलिस को भी उपलब्ध करवा देंगे। बताया कि इस दौरान शराबियों ने लाखों रुपए का नुकसान किया है।

## महादेवगंज निशांत टोला निवासी युवक के साथ की गई मारपीट

संवाददाता

**साहिबगंज :** मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज निशांत टोला निवासी युवक मुकेश सिंह उम्र 29 वर्ष पिता कमल सिंह के साथ शुक्रवार को मछली नहीं देने के विवाद में तेतर साहनी नामक शख्स ने बुरी तरह से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जहां इस

मारपीट की घटना के बाद घायल युवक शिकायत दर्ज कराने के लिए थाना पहुंचा जहां से उसे बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल भेज दिया गया। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. ऋतुराज ने फौरन इलाज किया। उधर मारपीट मामले को लेकर घायल युवक ने बताया कि मछली नहीं देने के विवाद में उसके साथ मारपीट की गई है।

# विश्व मृदा दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता

**दुमका :** विश्व मृदा दिवस के अवसर पर शनिवार को एस.पी. कॉलेज, दुमका के परिसर में एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.पी. यादव ने किया। यह आयोजन आईक्यूएसी (क्दअउ) एवं रसायन शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों के बीच मृदा संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, तथा पर्यावरणीय संतुलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरूआत में प्राचार्य डॉ. के.पी. यादव ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि मृदा जीवन का आधार है। कृषि, जैव विविधता, मानव स्वास्थ्य, तथा आर्थिक समृद्धि सभी का मूल स्रोत मिट्टी ही है। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर मिट्टी का कटाव, रासायनिक प्रदूषण, पोषक तत्वों की कमी और असंतुलित कृषि पद्धतियों के कारण मृदा तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही है। ऐसे में युवा पीढ़ी को मिट्टी की सुरक्षा, संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन के प्रति जागरूक करना समय की मांग है। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ पूनम बिंझा ने भी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व मृदा दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि धरती की सेहत के प्रति मानवता का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (ऋअड) के अनुसार धरती की 33% मिट्टी पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यदि अब भी हम सजग नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियों के लिए खाद्य संकट, जल प्रदूषण और पारिस्थितिक असंतुलन गंभीर रूप से बढ़ जाएगा। कार्यक्रम में रसायन शास्त्र विभाग की छात्राओं और छात्रों ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता से सभी को प्रभावित किया। विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी ईशा कुमारी, सूरज सोरेन एवं सौम्या श्री ने मृदा संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर अपने प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। ईशा कुमारी ने अपने भाषण में मृदा की संरचना, मृदा स्वास्थ्य के मानक और मिट्टी में उपस्थित प्रमुख रासायनिक तत्वों की वैज्ञानिक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटैशियम, कैल्शियम,

मैग्नीशियम और सल्फर जैसे तत्व फसलों की वृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अत्यधिक रासायनिक खादों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता कैसे घटती है तथा जैविक खादों का उपयोग किस प्रकार मिट्टी की गुणवत्ता को पुनः बढ़ा सकता है। सूरज सोरेन ने मिट्टी प्रदूषण के कारणों और उसके दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक कचरा, औद्योगिक अपशिष्ट, कीटनाशक और रासायनिक उर्वरकों का अनियंत्रित उपयोग मिट्टी की संरचना और सूक्ष्मजीव जीवन दोनों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक होने और स्थानीय स्तर पर समाधान खोजने की अपील की। सौम्या श्री ने मृदा संरक्षण से जुड़े पारंपरिक भारतीय दृष्टिकोण और आधुनिक तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बूंद-बूंद सिंचाई, फसल चक्र, मल्चिंग, और जैविक खेती जैसी तकनीकें न केवल मृदा को स्वस्थ बनाए रखती हैं बल्कि जल संरक्षण में भी सहायक होती हैं। उनके भाषण ने उपस्थित दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। रसायन विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पोस्टर, स्लोगन और मॉडल भी प्रस्तुत किए। सभी प्रस्तुतियों में मिट्टी संरक्षण का संदेश स्पष्ट झलक रहा था। दर्शकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और गंभीरता की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. के.पी. यादव ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि रसायन शास्त्र विभाग और क्दअउ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह कार्यक्रम मृदा संरक्षण के प्रति कॉलेज समुदाय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.वेद प्रकाश सहाय, डॉ.अनिता राज हेम्ब्रम, डॉ.लीना मुर्मू, प्रो. सनातन मुर्मू समेत सैंकड़ों विद्यार्थी उपस्थित थे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभाग के डॉ कमल शिवकांत हरि की ओर से किया गया। कार्यक्रम का संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. कुमार सौरभ ने सफलतापूर्वक किया। इस प्रकार विश्व मृदा दिवस पर आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम न केवल शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

बॉलीवुड में काम न मिलने पर

# शहनाज गिल ने उठाया यह कदम, बोलीं- मुझे शो पीस की तरह इस्तेमाल किया गया

**एक्ट्रेस** और सिंगर शहनाज गिल 'बिग बॉस 19' में आने के बाद काफी मशहूर हुईं। पूरे देश मे मशहूर होने के बाद शहनाज गिल फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' और 'थैंक यू फॉर कमिंग' में नजर आईं। हालांकि उन्हें उतनी कामयाबी नहीं मिली जितनी उम्मीद की जा रही थी। ऐसे में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'इक कुड़ी' की निर्माता बनने का सोचा। अब उन्होंने हिंदी और पंजाबी सिनेमा के बारे में कई बातें कही हैं।

### शहनाज ने खुद पर लगाया पैसा

शहनाज गिल हाल ही में 'बिग बॉस 19' में नजर आईं। उन्होंने सलमान खान से कहा 'मेरे ऊपर कोई पैसा नहीं लगा रहा, तो मैंने खुद पर लगा दिया।' अब उन्होंने फरीदून शहरयार से बातचीत में बताया है कि उन्होंने अपने प्रोजेक्ट में पैसा क्यों लगाया है?

### मुझे शो पीस की तरह इस्तेमाल किया

बातचीत में शहनाज गिल ने कहा 'मुझे अच्छी स्टोरीज नहीं मिल रही हैं। मुझे फिल्मों में शो पीस की तरह इस्तेमाल किया गया। मुझे एक ही तरह की कहानियां मिल रही थीं, जिनमें कुछ भी नया नहीं था और कोई अच्छा संदेश भी नहीं था। ऐसे में मैंने सोचा कि खुद पर पैसा लगाना सही रहेगा।'

# पेड प्रमोशन को लेकर फूटा यामी गौतम का गुस्सा

**यामी** गौतम ने पेड प्रमोशन और नेगेटिव कैंपेन के गोरखधंधे के खिलाफ आवाज उठाई है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने पूरे फिल्म उद्योग से एकजुट होकर इसे खत्म करने की अपील की। यामी की इस बात पर ऋतिक रोशन ने अपना रिएक्शन दिया है।

यामी ने आगे यह भी लिखा कि वह यह बात एक ईमानदार निर्माता (अपने पति आदित्य धर) की पत्नी और इंडस्ट्री की चिंतित सदस्य के तौर पर कह रही हैं। दर्शकों को खुद तय करने दें कि उन्हें फिल्म कैसी लगी, पैसे देकर जबरदस्ती तारीफ या बुराई न करवाई जाए।

### यामी का रिएक्शन

यामी गौतम ने आज अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर एक लंबी पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने इस गलत चलन को 'जबरन वसूली' और उद्योग के लिए 'दीमक' बताया। यामी ने लिखा कि आजकल कुछ लोग फिल्म की तारीफ के बदले पैसे मांगते हैं, वरना रिलीज से पहले ही लगातार नेगेटिव बातें लिखते रहते हैं। यह पैसा देकर अच्छा प्रचार करवाने या किसी दूसरे कलाकार या फिल्म के खिलाफ बुराई फैलाने का धंधा बन गया है। इससे क्रिएटिविटी पीछे छूट रही है और भारतीय सिनेमा का भविष्य खतरे में है।

# 'मगरमच्छों से भरा है बॉलीवुड'

● तलाक के सवाल पर दिव्या खोसला ने दिया हैरान करने वाला जवाब

**दिव्या** खोसला ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के सवालों का जवाब दिया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बहुत हैरान करने वाली बात कही है। अभिनेत्री दिव्या खोसला ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन शुरू किया। सेशन में उन्होंने कई यूजर्स के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने लोगों को अपने एक्टिंग के सफर और बॉलीवुड में अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने वीडियो के जरिए यूजर्स के सवालों के जवाब भी दिए। उनके एक जवाब ने लोगों को हैरान कर दिया।

एक यूजर ने दिव्या खोसला से पूछा 'बॉलीवुड में इतनी बेचैनी होने के बावजूद अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल कैसे रख पाती हैं?' इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा 'मैं सोचती हूं कि बॉलीवुड ऐसी जगह है, जहां आपके आस-पास बहुत सारे मगरमच्छ हैं। ऐसे में मैं महसूस करती हूं कि इसके बीच से रास्ता निकालना होगा। मुझे लगता है कि सबसे जरूरी चीज है अपने आप से ईमानदार रहें।'

### इस फिल्म में सबसे ज्यादा मजा आया

एक दूसरे यूजर ने अभिनेत्री से पूछा 'कौन सी फिल्म है जिसमें काम करते हुए आपको सबसे ज्यादा अच्छा लगा?' इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा 'सवी।

इसकी शूटिंग यूके में हुई। -10 डिग्री पर पूरे 42 दिन शूटिंग हुई। इसका प्रोडक्शन बहुत सही था। सवी का अनुभव एक तरफ बाकी मेरी सभी फिल्मों का अनुभव एक तरफ।'

### 'द ट्रेटर्स' के लिए करण जौहर को मिला बेस्ट होस्ट का अवॉर्ड, सोशल मीडिया पर जताई खुशी

करण जौहर को एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स 2025 में बेस्ट होस्ट का अवॉर्ड मिला है। इसके लिए उन्होंने खुशी जाहिर की है। फिल्ममेकर करण जौहर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' को लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। उन्होंने इस शो को शानदार तरीके से होस्ट किया। इस शो को होस्ट करने के लिए उन्हें गुरुवार को एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स 2025 में बेस्ट होस्ट का अवार्ड मिला है। इस अवॉर्ड को जीतने के बाद करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी का इजहार किया है।

52 साल की उम्र में

# महिमा चौधरी ने संजय मिश्रा को पहनाई वरमाला

90 के दशक की मशहूर अदाकारा महिमा चौधरी ने अभिनेता संजय मिश्रा के साथ 'दूसरी शादी' कर ली है। दोनों कलाकारों ने मीडिया के सामने एक-दूसरे को न केवल वरमाला पहनाई, बल्कि शादी की पारंपरिक रस्में भी निभाईं। चूंकि महिमा चौधरी और संजय मिश्रा दोनों ही पहले से शादीशुदा हैं, इसलिए फैंस के मन में सवाल है कि आखिर यह दूसरा विवाह क्यों? दरअसल, यह पूरा आयोजन उनकी आगामी फिल्म के प्रमोशन का एक अनूठा तरीका है। कलाकारों ने अपनी फिल्म को लाइमलाइट में लाने के लिए यह प्रोमोशनल गिमिक अपनाया है। फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' 19 दिसंबर को रिलीज होने वाली है, और गुरुवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में महिमा चौधरी और संजय मिश्रा ने स्टेज पर नकली शादी की और एक-दूसरे को वरमाला भी पहनाई। इस दौरान पास बैठे एक शख्स ने माइक लेकर मंत्र पढ़ना शुरू कर दिया, जिसे सुनकर महिमा डर जाती है और कहती है कि मंत्र क्यों पढ़ रहे हो, ये मंत्र शादी वाले असली मंत्र तो नहीं हैं। ये सुनकर सभी हंसने लगते हैं। इसी के साथ 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का शानदार ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। ट्रेलर में अपने बेटे की शादी कराने के लिए दुर्लभ प्रसाद (संजय मिश्रा) खुद शादी करने के लिए तैयार होते हैं, क्योंकि लड़की के परिवारवालों की शर्त है कि जब तक घर में कोई महिला नहीं होगी, वे बेटी की शादी नहीं करेंगे। ऐसे में दुर्लभ प्रसाद के लिए लड़की खोजने की तैयारी शुरू होती है और एंट्री होती है महिमा चौधरी की, जो सिगरेट से लेकर शराब तक पीती हैं, लेकिन दुर्लभ अपनी समझदारी से महिमा को नशे से दूर करने की कोशिश करते हैं, लेकिन फिर आता है बड़ा ट्विस्ट।

ट्रेलर के आखिरी में कुछ ऐसा होता है, जिससे दुर्लभ प्रसाद और महिमा चौधरी को अलग होना पड़ता है। दोनों का एक वीडियो सामने आता है,जिसकी वजह से उनके बेटे की शादी भी टूट जाती है। फिल्म में कॉमेडी और इमोशन दोनों भरपूर मिलने वाला है। बता दें कि ट्रेलर से पहले फिल्म के टीजर और पोस्टर बहुत पसंद किए थे। फैंस काफी समय ये ट्रेलर रिलीज का इंतजार कर थे लेकिन आज फैंस का इंतजार खत्म करते हुए मेकर्स ने फिल्म का टेलर रिलीज कर दिया है।

श्रीमती के रूप...

# शोभिता धुलिपाला-नागा चैतन्य ने शादी के एक साल पूरे होने का मनाया जश्न

**नागा** चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने 4 दिसंबर को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में शादी की। यह उनकी शादी की पहली सालगिरह है। शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य की शादी को आज एक साल पूरा हो गया है। दोनों ने 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में पारंपरिक तेलुगु रीति-रिवाज से शादी की थी। इस खास मौके पर शोभिता ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी का एक खास वीडियो शेयर किया है।

### शोभिता का पोस्ट

पहली शादी की सालगिरह पर शोभिता ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया। इसमें हल्दी के अलावा शादी के कई खूबसूरत पल हैं। वीडियो के साथ शोभिता ने कैप्शन में लिखा, 'हवा हमेशा घर की ओर बहती है।

उस शख्स के साथ सूरज की एक रोमांचक यात्रा पर जिसे मैं पति कहती हूं...।' शोभिता की इस पोस्ट पर नागा चैतन्य ने कमेंट किया और लिखा, 'तुम्हारे सफर का हिस्सा बनकर धन्य हूं मेरे प्यार। सालगिरह मुबारक।'

कलाकार को जीवन भर के संघर्ष के बाद

# सिर्फ मरने के बाद ही सम्मान मिलता है : दिलजीत दोसांझ

**साल** 2024 में दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'चमकीला' आई थी, जोकि पंजाबी लोकगायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को कई कैटगिरी में नॉमिननेट किया गया, लेकिन फिल्म एक भी अवॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाई। अब दिलजीत ने नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें उन्होंने फिल्म और एक आर्टिस्ट के संघर्ष के बारे में बात की है। उनका कहना है कि जब तक कलाकार जिंदा होता है, तब तक उसे परेशान किया जाता है, लेकिन मरने के बाद उन्हें सम्मान मिलता है। दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है और बताया कि एक कलाकार को सफल बनने के लिए क्या कुछ झेलना पड़ता है। वे वीडियो में कहते हैं, 'एक कलाकार को अपनी जिंदगी में हर तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और जब तक वो मर नहीं जाता, तब तक लोग उसे महान नहीं कहते हैं और अपना प्यार भी नहीं देते। जब वे मर जाते हैं या चमकीला की तरह मार दिए जाते हैं, तभी उन कलाकारों को 'महान' कहा जाता है या लोगों का प्यार मिलता है। उसके बाद ही उनके काम की सराहना की जाती है क्योंकि एक तो वो जिंदा नहीं है, दूसरा आपका कॉम्पीटिशन नहीं है, और तीसरा मरे हुए इंसान को सम्मान देना इंसानों का स्वभाव है। उन्होंने आगे कहा कि 'ये दुनिया एक फिल्मी सेट की तरह है और हर कोई अपना किरदार निभा रहा है। जब तक कलाकार जिंदा है, उसे कोई नहीं पूछता, उसे मारने की धमकी दी जाती है, परेशान किया जाता है क्योंकि जो वह कर रहे हैं, वो समाज को बर्दाश्त नहीं हो पाता, और मरने के बाद कहते हैं, 'वाह, क्या गाना था। 'इसके अलावा, उन्होंने अपनी फिल्म 'चमकीला' को लेकर भी खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि दिलजीत यहां वेलिडेशन के लिए नहीं आया है, बल्कि चमकीला के लिए आया है। अपने फिल्म से जुड़े अनुभवों पर सिंगर ने कहा कि फिल्म में एक शॉट है। यह शॉट मैंने इसलिए किया क्योंकि कोई दूसरा कलाकार इसे समय पर नहीं कर सकता था। मुझे शॉट देखकर कहा कि चमकीला मुझे कहीं से देख रहा है और वो सीन देखकर मैं भावुक हो उठा। मेरे लिए ये करना आसान नहीं था।

# फीफा विश्व कप 2026 ड्रॉ घोषित: उद्घाटन मैच में मैक्सिको का सामना दक्षि । अफ्रीका से

एजेंसी

वॉशिंगटन, 6 दिसंबर (हि.स.)। फीफा विश्व कप 2026 के लिए ड्रॉ शुक्रवार को जॉन एफ. कैनेडी सेंटर में संपन्न हुआ, जिससे फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के पहले 48 टीमों वाले संस्करण की तस्वीर साफ हो गई। कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले इस महाकुंभ में नए ग्रुप प्रारूप और रिकॉर्ड संख्या में मैच खेले जाएंगे।

ड्रॉ के दौरान कई रोमांचक मुकाबलों की रूपरेखा सामने आई। लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के युग के बाद किलियन एमबापे और एर्लिंग हालांड फुटबॉल के नए सुपरस्टार बन चुके हैं। उनकी टीमें–फ्रांस और नॉर्वे–को ग्रुप क में एक-दूसरे के सामने रखा गया है। अफ्रीकी दिग्गज सेनेगल भी इसी ग्रुप में है। यूरोपीय प्ले-ऑफ (यूक्रेन/स्वीडन/पोलैंड/अल्बानिया) का विजेता इस समूह को और भी कठिन बना देगा, जिसे विशेषज्ञ पहले ही ह्यग्रुप ऑफ डेथह्व कह रहे हैं। पिछले विश्व कप में चौंकाने वाला प्रदर्शन करने वाले मोरक्को को ग्रुप उ में पांच बार के चैंपियन ब्राजील के साथ रखा गया है। इससे स्कॉटलैंड और हैती पर दबाव और बढ़ गया है। इंग्लैंड और क्रोएशिया, दोनों खिताब के प्रबल दावेदार, ग्रुप छ में आमने-सामने होंगे। वहीं घाना और पनामा के लिए यह ग्रुप बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। अगर इटली यूरोपीय प्ले-ऑफ से क्वालिफाई करता है, तो वह ग्रुप इ में कनाडा, कतर और स्विट्जरलैंड के साथ शामिल होगा–एक ऐसा ग्रुप, जिसमें कौन आगे बढ़ेगा इस पर अंतिम अनुमान लगाना कठिन है।

टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच मेजबान धरती पर खेला जाएगा। दक्षिण कोरिया भी ग्रुप अ में है, साथ ही डेनमार्क/नॉर्थ मैसिडोनिया/चेक गणराज्य/आयरलैंड के बीच होने वाले यूरोपीय प्ले-ऑफ का विजेता भी इसी ग्रुप में शामिल होगा।

### पूरा ड्रॉ इस प्रकार है:

ग्रुप अः मैक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता ऊ

ग्रुप इः कनाडा, स्विट्जरलैंड, कतर, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता अ

ग्रुप उः ब्राजील, मोरक्को, स्कॉटलैंड, हैती

ग्रुप ऊ संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, पराग्वे, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता उ

ग्रुप एः जर्मनी, कुराकाओ, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर

ग्रुप : नीदरलैंड्स, जापान, ट्यूनीशिया, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता इ

ग्रुप : बेल्जियम, ईरान, मिस्र, न्यूजीलैंड

ग्रुप : स्पेन, उरुग्वे, सऊदी अरब, केप वर्डे

ग्रुप क फ्रांस, सेनेगल, नॉर्वे, फीफा प्ले-ऑफ विजेता (बोलीविया/सूरीनाम/इराक)

ग्रुप खः अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, अल्जीरिया, जॉर्डन

ग्रुप डः पुर्तगाल, कोलंबिया, उज्बेकिस्तान, फीफा प्ले-ऑफ विजेता (न्यू कैलेडोनिया/जमैका/कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य)

ग्रुप छः इंग्लैंड, क्रोएशिया, पनामा, घाना

# विभिन्न जगहों से दो गांजा तस्कर समेत 8 गिरफ्तार, 28 किलो गांजा बरामद

एजेंसी

**नोएडा :** नोएडा पुलिस ने अलग अलग जगहों से दो गांजा तस्करों समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने करीब 28 किलो गांजा बरामद किया है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को उप निरीक्षक रविंद्र सिंह ने एक सूचना के आधार पर सलारपुर गांव के पास से नूर फातिमा उर्फ साहिब पत्नी इदरीश अहमद को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 23 किलो 750 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। गांजा बेचकर महिला द्वारा इकट्ठी की गई 4500 रुपए की नगदी भी पुलिस ने इसके पास से बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि महिला उड़ीसा से गांजा तस्करी करके लाती है तथा उसे एनसीआर में बेचती है।

थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया की बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने शकीर उर्फ गुड्डू पुत्र शरीफ को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 4 किलो 800 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। उन्होंने बताया कि इसकी गिरफ्तारी सेक्टर 47 के जलवायु विहार टावर के पास से हुई है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी काफी दिनों से अवैध रूप से गांजा बेच रहा था। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में थाना पुलिस ने ज्ञान सिंह को गिरफ्तार कर इसके पास से 21 पाउच देशी शराब बरामद किया है। थाना बादलपुर पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर संजीव पुत्र नेत्रपाल को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अमित कुमार भड़ाना ने बताया कि इसके पास है पुलिस ने 24 पाउच देशी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह काफी दिनों से अवैध रूप से मदिरा बेच रहा था। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने रोहन पुत्र रंजीत को गिरफ्तार कर इसके पास से एक अवैध चाकू बरामद किया है। थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीती रात को एक सूचना का आधार पर थाना पुलिस ने नवीन कुमार शर्मा पुत्र अनिल कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 110 पव्वा देसी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि इसकी गिरफ्तारी बहलोल पुर गांव के पास से हुई है। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि बीती रात को थाना पुलिस ने ताज मोहम्मद को गिरफ्तार कर उसके पास है 43 पव्वा देशी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि यह काफी दिनों से अवैध रूप से मादक पदार्थ बेच रहा था।थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र बालियान ने बताया कि बीती रात को थाना पुलिस ने विनीत यादव को गिरफ्तार कर उसके पास से 35 पाउच देशी शराब बरामद किया है। थाना सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि बीती रात को थाना पुलिस ने राजू कुमार को गिरफ्तार कर उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद किया है।

थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने अरुण कुमार को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

## अनूपपुर: नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक में जमी बर्फ की चादर, कोहरे से ढका शहर

एजेंसी

**अनूपपुर :** मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध मां नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, इन दिनों कड़ाके की ठंड का सामना कर रहा है। इस हिल स्टेशन पर सर्द हवाओं और कम तापमान ने ठिठुरन बढ़ा दी है। अमरकंटक का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड का असर इतना अधिक है कि ओस की बूंदें सफेद चादर में बदल जाती हैं। रात भर पाला जमने के कारण शनिवार की सुबह जमीन पर बर्फ की चादर बिछी सी नजर आई। यहां की ठंड सर्दियों में पर्यटकों को आकर्षित करती है, जिससे सर्दियों के मौसम में अमरकंटक में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है। हालांकि, स्थानीय लोगों के लिए यह मौसम चुनौतियां लेकर आता है। दुकानदार और अन्य स्थानीय लोग अपने दैनिक कामकाज में ठंड से बचने के लिए दुकानों के बाहर अलाव जलाकर गर्मी का सहारा लेते हैं। अमरकंटक और इसके आसपास के गांवों में पिछले कुछ दिनों से ठंड तेजी से बढ़ी है। दिसंबर और जनवरी के महीनों में यहां ठंड अपने चरम पर होती है, और इस बार ठंड समय से पहले शुरू हो गया है। पर्यटकों के लिए यह ठंड रोमांचकारी हो सकती है, लेकिन स्थानीय लोगों को इससे निपटने में काफी कठिनाई होती है।

शुक्रवार-शनिवार की रात भर पाला जमने के कारण सुबह जमीन पर बर्फ की चादर बिछी सी नजर आई। नर्मदा नदी के चारों ओर छाए घने कोहरे ने वादियों को मनमोहक बना दिया है। सुबह निकलते ही हल्की धूप ने मौसम को सुहाना कर दिया। पर्यटक इस अद्भुत नजारे का आनंद उठाते हुए प्रकृति की खूबसूरती को कैमरों में कैद कर रहे हैं। अमरकंटक में यह नजारा वर्ष का पहला पाला (बर्फ) पड़ा है । जिसे देख नगरवासी, पर्यटक उत्साहित हो रहें।

## बांग्लादेश में बढ़ रहा डेंगू का प्रकोप, पिछले 24 घंटे में 200 मरीज भर्ती

**ढाका :** बांग्लादेश में डेंगू के मरीजों की संख्या खतरनाक रूप से लगातार बढ़ रही है। हालत यह है कि पिछले चौबीस घंटे के भीतर देश के विभिन्न अस्पतालों में डेंगू से प्रभावित कुल 200 नये मरीजों को भर्ती कराया गया है।राहत की बात है कि इस दौरान किसी डेंगू प्रभावित मरीज की मौत नहीं हुई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र एवं नियंत्रण कक्ष की तरफ से शुक्रवार को डेंगू प्रभावित मरीजों के बारे में जानकारी दी गई है।

बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक पिछले चौबीस घंटे के भीतर देश के विभिन्न अस्पतालों में डेंगू से प्रभावित कुल 200 नये मरीजों को भर्ती कराया गया है। नए भर्ती हुए मरीजों में से 14 मरीज बारीसाल संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 92 मरीज चटगांव संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 14 मरीज ढाका संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 72 मरीज ढाका उत्तर नगर निगम (डीएनसीसी) के अंतर्गत, 06 मरीज ढाका दक्षिण नगर निगम (डीएससीसी) के अंतर्गत और 02 मरीज खुलना संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर) के अस्पताल में भर्ती हुए। विभाग की तरफ से बताया गया है कि पिछले 24 घंटों में डेंगू से संबंधित किसी भी मौत की सूचना नहीं है।

## सुलतानपुर : ट्रेलर की टक्कर से टूरिस्ट बस में सवार महिला श्रद्धालू की मौत, 15 घायल

एजेंसी

**सुलतानपुर :** उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के अयोध्या-प्रयागराज हाइवे पर शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने टूरिस्ट बस में टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला श्रद्धालू की मौत हो गई और 15 लोग घायल हैं। ये सभी अयोध्या दर्शन के बाद प्रयागराज जा रहे थे, तभी हादसा हो गया। कूरेभार थानाध्यक्ष विजयंत मिश्रा ने बताया कि महाराष्ट्र प्रांत के जलगांव जिले के कलाने, तालुका दरंगा क्षेत्र के रहने वाले सभी श्रद्धालु टूरिस्ट बस से रामलला के दर्शन को अयोध्या आए थे। दर्शन के बाद शुक्रवार को प्रयागराज जा रहे थे। शनिवार सुबह कूरेभार चौराहा पर बस पहुंची थी कि सामने से तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों वाहन पलट गए। स्थानीय लोग और राहगीर तुरंत मौके पर मदद के लिए दौड़े और पलटी बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। हादसे में लगभग 15 श्रद्धालुओं को गंभीर चोटें आई हैं। घायल यात्रियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर प्रवेश दीक्षित की टीम ने सभी घायलों का इलाज शुरू किया। इलाज के दौरान वर्षा किरन पाटिल (45) निवासी पुणे की मौत हो गई। वहीं, कोकिला बाई (68), जरगा बाई (67), योजना बाई (54), मंजू बाई (40), रतना बाई (54), राजू (35), अनीता (40), पोडम सिंह (54), सरिता बाई (55) और आशा बाई (65) को चोटे आई हैं। डॉक्टरों ने कोकिला, संगीता, अनीता, अर्चना व रतना को बेहतर इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया है। पांच अन्य को मामूली चोटे आई हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस टीम ने क्रेन की मदद से हाईवे पर पलटी बस व ट्रेलर को हटवाकर जाम खुलवाया है। पुलिस घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है। प्रशासन ने घायलों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया है।

## पटरी पर पत्थर रख मालगाड़ी को डिरेल करने की कोशिश, खजुराहो एक्सप्रेस पर भी पथराव

एजेंसी

**जयपुर :** आगरा-बांदीकुई रेलवे मार्ग पर अलवर के खेड़ली कस्बे के नजदीक गुरुवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने मालगाड़ी को बेपटरी करने की कोशिश की। रेल की पटरी पर पत्थर के बड़े ब्लॉक रख दिए गए। लोको पायलट ने सावधानी बरतते हुए मालगाड़ी को रोक दिया। इसके अलावा कस्बे से करीब तीन किलोमीटर दूर अज्ञात लोगों ने इंटरसिटी खजुराहो एक्सप्रेस पर पथराव भी किया। जिससे एक कोच का शीशा भी टूटा है। खेड़ली आरपीएफ पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। उत्तर मध्य रेलवे की जनसंपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि मालगाड़ी के लोको पायलट ने खेड़ली-नदबई मार्ग के फाटक संख्या 97/1 पर मालगाड़ी के ट्रैक पर सीमेंट के फेसिंग ब्लॉक रखने की शिकायत दी। मालगाड़ी के नीचे सीमेंट के ब्लॉक फंस गए। इससे मालगाड़ी का इंजन भी क्षतिग्रस्त हुआ। मालगाड़ी की स्पीड कम थी और लोको पायलट को सीमेंट के ब्लॉक दिख गए। इससे मालगाड़ी डिरेल होने से बची।

## रूफ टॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिए जयपुर सहित चार शहरों में सिटी एक्सीलरेटर प्रोग्राम

**जयपुर :** केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने पीएम सूर्यघर योजना के अन्तर्गत रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन को बढ़ावा देने के लिए सिटी एक्सीलरेटर कार्यक्रम शुरू किया है। इसके अन्तर्गत देश के 100 शहरों का चयन किया गया है। प्रदेश के जयपुर, जोधपुर, अजमेर और उदयपुर शहर इसमें शामिल किए गए हैं। प्रोग्राम के अन्तर्गत इन शहरों में जागरूकता गतिविधियों, वेंडर्स को प्रशिक्षण आदि के माध्यम से लोगों को रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने विद्युत भवन में इस प्रोग्राम से जुड़े स्टेक होल्डर्स शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक ली। केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारी भी इस बैठक से जुड़े। डोगरा ने कहा कि रूफ टॉप सोलर की ओर लोगों का रूझान बढ़ा है। प्रदेश में प्रतिमाह औसतन 10 हजार से अधिक रूफ टॉप लग रहे हैं। इस गति को और बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि राजस्थान पीएम-कुसुम योजना की भांति ही रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन में भी अग्रणी बन सके।

## बिहार विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद भाजपा क्षेत्रीय नेताओं और कार्यकताओं का जताएगी आभार

एजेंसी

**पटना :** बिहार विधानसभा चुनाव-2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश में संगठनात्मक समीक्षा और आभार बैठकों की श्रृंखला शुरू करने जा रही है। इसके तहत 8, 9 और 10 दिसंबर को मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, पटना और पूर्णिया में बैठकों का आयोजन किया जाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, इन बैठकों में चुनाव परिणाम की समीक्षा के साथ आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक रणनीति पर चर्चा होगी। बैठकों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ तिवारी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा संबंधित क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रभारी, सह-प्रभारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, महामंत्री, विधानसभा प्रभारी एवं संयोजक भी बैठक में शामिल होंगे। मिथिला और तिरहुत की बैठक मुजफ्फरपुर पश्चिमी जिला कार्यालय में 08 दिसंबर को आयोजित होगी। इसी दिन चंपारण और सारण की बैठक मोतिहारी जिला कार्यालय में होगी। 9 दिसंबर को मगध, शाहाबाद, पटना, मुंगेर, बेगूसराय और नालंदा की बैठक प्रदेश कार्यालय में होगी। 10 दिसंबर को भागलपुर, कोसी और सीमांचल क्षेत्र की बैठक पूर्णिया जिला कार्यालय में होगी।

बिहार विधानसभा चुनाव में राजग ने कुल 202 सीटें जीती थीं। इसमें भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, जबकि नीतीश कुमार की जदयू को 85 सीटें मिलीं। वहीं, चिराग पासवान की लोजपा-आर ने 19, जीतन मांझी की हम ने 5 और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो ने 4 सीटें जीतने में सफलता पाई।

# हिमाचल में बर्फबारी की संभावना, मनाली में रही सीजन की सबसे सर्द रात

एजेंसी

**शिमला :** हिमाचल प्रदेश में ठंड का कहर लगातार बढ़ रहा है, जिसने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हिल स्टेशन मनाली में इस सीजन की अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज की गई, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर 1.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो पिछले 24 घंटों में 2.3 डिग्री की गिरावट है। उच्च पर्वतीय और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में शीतलहर का असर बढ़ गया है और कल यानी 7 दिसंबर को इन क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। शुक्रवार बीती रात तेज हवाओं ने भी ठंड का असर और तीखा कर दिया। लाहौल-स्पीति के ताबो में हवा की रफ्तार 39 किलोमीटर प्रति घंटा और किन्नौर के रिकांगपियो में 37 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। विभाग के अनुसार 8 से 12 दिसंबर तक मौसम फिर से साफ रहेगा, लेकिन अगले दो दिनों तक राज्य के मैदानी इलाकों में अनेक स्थानों पर घना कोहरा छाने का अलर्ट जारी किया गया है। आज बिलासपुर में कोहरे के कारण दृश्यता केवल 100 मीटर दर्ज की गई, जबकि मंडी में भी कोहरे का असर देखने को मिला। दिसंबर की सुखी ठंड ने लोगों को और अधिक परेशान किया है क्योंकि प्रदेश में पिछले एक माह से बादल नहीं बरसे हैं, जिसके चलते बारिश और बर्फबारी दोनों की कमी महसूस की जा रही है। इसका सीधा प्रभाव खेती-बाड़ी पर पड़ रहा है और गेहूं सहित अन्य फसलों की बिजाई प्रभावित हुई है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह सूखा रहा तो फसलों के विकास और उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। जनजातीय जिलों लाहौल-स्पीति और किन्नौर में न्यूनतम तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे बना हुआ है और प्राकृतिक जलस्रोत जम गए हैं। कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान -5.6 डिग्री, ताबो में -4.4 डिग्री और किन्नौर के कल्पा में -0.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। राज्य के कई अन्य शहर भी कड़ाके की ठंड से प्रभावित हैं और एक दर्जन शहरों का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे चला गया है। अन्य शहरों के न्यूनतम पारे की बात करें तो शिमला में 8.6, सुंदरनगर में 2, भुंतर में 1.5, धर्मशाला में 6, ऊना में 5.9, नाहन में 10.3, पालमपुर में 3, सोलन में 3, कांगड़ा में 4.4, मंडी में 3.1, बिलासपुर में 6.7, हमीरपुर में 3.2, कुफरी में 5.2, जुब्बड़हट्टी में 7.8, नारकंडा में 2.2, रिकांगपिओ में 2.1 और सराहन में 4.8 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.9 डिग्री नीचे दर्ज किया गया है और पिछले 24 घंटों में न्यूनतम पारे में 0.2 डिग्री की गिरावट आई है। मैदानी भागों में भीषण ठंड ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया है और सुबह-शाम सड़कों पर आवाजाही कम देखी जा रही है।

## न्यूज IN ब्रीफ

### सूरत एयरपोर्ट पर यात्री बेहाल, 5 से 6 घंटे तक री-शेड्यूल

**सुरत :** इंडिगो एयरलाइंस की लगातार फ्लाइट रद्द और री-शेड्यूल होने के कारण गुजरात के सूरत एयरपोर्ट पर यात्रियों की हालत बहुत खराब हो गई है। खासकर दुबई जाने वाली फ्लाइट लगभग 5 से 6 घंटे तक री-शेड्यूल होने से यात्रियों को लंबे समय तक एयरपोर्ट के बाहर ही इंतजार करना पड़ा। एयरपोर्ट के अंदर प्रवेश की अनुमति न होने के कारण यात्री बाहर ही बैठे रहे और कई लोग गर्मी व थकान से बहुत अधिक परेशान नजर आए। सूरत एयरपोर्ट पर बढ़ती भीड़ और इंडिगो की अव्यवस्थित सेवाओं को लेकर यात्रियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। यात्रियों का कहना है कि बार-बार री-शेड्यूलिंग और बढ़ते किराए ने उनकी परेशानियों में इजाफा कर दिया है। सूरत के दीपकभाई के कहा कि जो पिछले 10 साल से दुबई में नौकरी करते हैं, इमरजेंसी छुट्टी पर भारत आए थे। आज उन्हें दुबई वापस जाना था और उनकी फ्लाइट निर्धारित थी, किंतु लगातार री-शेड्यूल होने से वे बेहद परेशान हैं। दीपकभाई ने आगे बताया, ह्लमेरी छुट्टियाँ पूरी हो चुकी हैं। मुझे दुबई पहुँचना है ताकि मेरे साथ काम करने वाला एक साथी वहाँ से छुट्टी लेकर अपने गांव जाए, क्योंकि उसका शादी है। टिकट का रेट भी बहुत बढ़ गया है। जिस टिकट को मैंने 16,000 रुपये में लिया था, वह अब 45,000 रुपये दिखा रहा है। दस साल में पहली बार ऐसा हाल देखा है। एयरलाइन की तरफ से कोई सही जवाब भी नहीं मिल रहा। लंबे इंतजार के बीच दुबई जाने वाले कुछ युवाओं ने समय काटने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया। फ्लाइट के लगातार विलंब से परेशान ये युवा एयरपोर्ट परिसर में ही ह्य यूएनओह्ल गेम खेलते नजर आए। उनका यह दृश्य देखकर अन्य यात्री भी थोड़ी देर के लिए मुस्कुराए, लेकिन फ्लाइट की असमंजस भरी स्थिति को लेकर सभी में नाराजगी साफ झलक रही थी।

### मोमोस खाकर कई लोग बीमार हुए तब जागा खाद्य विभाग, जांची स्ट्रीट फूड की गुणवत्ता

**धमतरी :** जिले के मगरलोड ब्लॉक के ग्राम मेघा गुणवत्ताहीन मोमोज खाकर एक के बाद एक 18 लोग बीमार पड़ गए। उल्टी-दस्त से पीड़ित अब तक अपना उपचार करा रहे हैं। मोमोज खाने के बाद बीमार पड़ने की घटना के बाद खाद्य विभाग हरकत में आया और गुरूवार शाम मगरलोड क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांची।

फूड पाइजनिंग प्रभावित क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने जिला प्रशासन द्वारा त्वरित और प्रभावी कदम उठाए गए हैं। अभिहित अधिकारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन धमतरी द्वारा रायपुर संभाग मुख्यालय से चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को तत्काल धमतरी बुलाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी फणेश्वर पिथौरा ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं का सघन निरीक्षण करते हुए मौके पर ही विभिन्न खाद्य पदार्थों की जांच की। निरीक्षण के दौरान करीब 70 खाद्य नमूनों की आन-द-स्पाट टेस्टिंग की गई, जिनमें से 66 नमूने मानक के अनुरूप मिले। वहीं चार नमूने अवमानक पाए जाने पर संबंधित खाद्य पदार्थों को मौके पर ही नष्ट कराया गया। जिन नमूनों में अनियमितताएं पाई गईं, उनमें आलू-मसाले में प्रतिबंधित रंग का उपयोग, सड़े हुए संतरे का प्रयोग तथा बालूशाही एवं समोसे में सड़क की धूल की मौजूदगी शामिल है। टीम ने इन खाद्य पदार्थों को नष्ट करने के साथ ही विक्रेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण टीम ने सभी स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य पदार्थों को नियंत्रित तापमान में रखने, भोजन परोसते समय अखबारी कागज का उपयोग न करने, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा खाद्य निर्माण में केवल ताजी सामग्री उपयोग करने के निर्देश दिए। अभिहित अधिकारी सर्वेश कुमार यादव ने शनिवार को बताया कि जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। आठ से 12 दिसंबर तक चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला का जिले में भ्रमण कार्यक्रम तय किया गया है। इस दौरान प्रयोगशाला जिला मुख्यालय सहित सभी तीनों ब्लॉकों में संध्याकालीन स्ट्रीट फूड का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर ही खाद्य पदार्थों की जांच करेगी। मानक स्तर पर खरे न उतरने वाले खाद्य पदार्थों व विक्रेताओं पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

### एएसआई पर सबके सामने दोपहिया वाहन सवार के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज

**जम्मू :** डोडा में एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वह सबके सामने एक दो पहिया सवार के साथ मारपीट करते दिख रहे हैं। 3 दिसंबर को अंजार मजीद मलिक ने डीएच डोडा पुलिस पोस्ट में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि सादिकाबाद के रहने वाले एएसआई गुलाम अली ने उन्हें गलत तरीकों से रोका और मारपीट की। पुलिस ने एक बयान में कहा कि शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए डोडा पुलिस स्टेशन में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। पुलिस फोर्स के अंदर किसी भी गलत व्यवहार के प्रति अपनी जीरो-टॉलरेंस पॉलिसियों को बनाए रखा हुआ पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में आगे की जांच चल रही है।

### मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर अर्पित की श्रद्धांजलि

**पटना :** भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेदकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर शनिवार को पटना उच्च न्यायालय के समीप स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर राज्य के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, सांसद संजय कुमार झा सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने भी बाबा साहेब को नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा बाबा साहेब की जीवनगाथा, प्रेरणा एवं संविधान निर्माण में उनके योगदान पर आधारित गीतों, भजन-कीर्तन और बिहार गीत प्रस्तुत किए गए।

### डॉ अंबेडकर की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री धामी ने दी श्रद्धांजलि

**देहरादून :** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने जीवन पर्यंत शिक्षा, समानता और स्वाभिमान की अलख जगाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब के मार्ग का अनुसरण करते हुए उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर, सामाजिक समरसता और न्याय के सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है।

### बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर तमिलनाडु में हाई अलर्ट

**चेन्नई :** बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी को देखते हुए पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी क्रम में तमिलनाडु में भी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। हाल ही में दिल्ली में हुए कार धमाके के बाद सतर्कता और बढ़ा दी गई है। राज्य सरकार की ओर से तमिलनाडु में विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। राज्यभर में लगभग 1 लाख पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसमें से अकेले चेन्नई में 15 हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों—जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार, व्यावसायिक इलाकों और महत्वपूर्ण सरकारी भवनों के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल के साथ विशेष शाखा की टीमों को तैनात किया गया है। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की गहन जांच की जा रही है। यात्रियों को स्टेशन में प्रवेश से पहले उनके सामान की तलाशी अनिवार्य की गई है। इसके अलावा रेलवे ट्रैक और मुख्य पुलों पर हथियारबंद सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। चेन्नई के एग्मोर और सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा जांच को और कड़ा कर दिया गया है। रातभर शहर में वाहनों की जांच अभियान भी जारी रहा। साथ ही, सुरक्षा एजेंसियां होटलों और लॉज में ठहरे हुए लोगों की पहचान और सत्यापन कर रही हैं, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

न्यूज IN ब्रीफ

## चक्रधरपुर मंडल में विकास कार्यों के कारण कई ट्रेनों का परिचालन होगा प्रभावित

**जमशेदपुर :** दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में चल रहे विकास कार्यों के चलते कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को रद्द किया जाएगा तो कुछ ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट या शॉर्ट-ओरिजिनेट किया जाएगा। एक ट्रेन को बदले हुए मार्ग से चलाया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए इस संबंध में पूरी जानकारी दी है। टाटानगर-इतवारी-टाटानगर, हटिया-झारसुगुड़ा-हटिया, टाटानगर-राउरकेला-टाटानगर मेमू और हटिया-राउरकेला पैसेंजर, राउरकेला-हटिया पैसेंजर, 20 दिसंबर, 23, 27 और 30 दिसंबर के अलावा 3, 6, 10, 13, 17 और 20 जनवरी 2026 को रद्द रहेगी। इसके अलावा हावड़ा-कांताबांजी/हावड़ा-टिटलागढ़ इस्पात एक्सप्रेस को इन दिनों टाटानगर में, जबकि कांटाबांजी-हावड़ा/टिटलागढ़-हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस को झारसुगुड़ा में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा।

इसी क्रम में पुरी-योगनगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस को 19, 22, 26 और 29 दिसंबर के अलावा 2, 5, 9, 12, 16 और 19 जनवरी को कटक-संबलपुर सिटी-झारसुगुड़ा रोड-इब मार्ग से डायवर्ट कर चलाया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जांच की अपील की है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

## सिमडेगा मंडल कारा का किया गया औचक निरीक्षण

**सिमडेगा :** झारखंड हाई कोर्ट के निर्देश पर शनिवार को सिमडेगा मंडल कारा में औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का नेतृत्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) के अध्यक्ष राजीव कुमार सिन्हा ने किया। उनके साथ डालसा की सचिव मरियम हेमरोम भी मौजूद रहीं। निरीक्षण के दौरान जेल की सभी इकाइयों, वार्डों, सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। निरीक्षण दल ने सबसे पहले बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और मानकों का परीक्षण किया। प्रधान जिला न्यायाधीश ने स्वयं भोजन का स्वाद लेकर उसकी गुणवत्ता परखी। समीक्षा में यह पाया गया कि भोजन जेल मैनुअल के निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। रसोईघर की स्वच्छता, खाद्य सामग्री के भंडारण और उपलब्धता की भी जांच की गई। इसके बाद अधिकारियों ने सभी वार्डों का भ्रमण कर बंदियों के रहने की व्यवस्था, स्वच्छता, रोशनी, पेयजल और शौचालय की स्थिति का जायजा लिया। बंदियों के व्यक्तिगत सामान की जाँच की गई, लेकिन किसी वार्ड में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली।

## डीडीसी ने किया पहाड़पुर गांव का किया निरीक्षण

**देवघर :** जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा ने शुक्रवार को मधुपुर प्रखंड के पटवाबाद पंचायत के पहाड़पुर गांव में जल छाजन परियोजना अंतर्गत पूर्व में किए गए जीविकोपार्जन गतिविधियों का निरीक्षण किया । साथ ही निरीक्षण के दौरान लाभुक पवन कुमार वर्मा के जमीन पर विभिन्न प्रकार के लगाए गए फसल जैसे स्ट्रॉबेरी, फूलगोभी मिर्च,फ्रेंचवीन,टमाटर, मटर आदि की खेती टपक सिंचाई (ड्रिप इरीगेशन) पद्धति द्वारा लगभग 5 एकड़ में किए गए समेकित खेती का निरीक्षण किया गया।

इसके अलावा उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा ने निर्देश कि टपक सिंचाई प्रणाली द्वारा कराया जा रहे हैं खेती के फायदे से आसपास के किसानों को भी अवगत कराया जाय तथा अधिक से अधिक किसानों को इस प्रकार की खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर स्वावलंबी बनाया जाय। तत्पश्चात ग्राम पंचायत जावागुड़ी के ग्राम बरमसिया में जल छाजन विभाग द्वारा बनाए जा रहे हैं नव निर्मित तालाब का भी निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के समय उपस्थित ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, देवघर के कार्यपालक अभियंता को इस तालाब के इनलेट के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल देवघर के कार्यपालक अभियंता,प्रखंड विकास पदाधिकारी मधुपुर, जलछाजन विभाग के जिला तकनीकी विशेषज्ञ,जलछाजन विकास दल के सदस्य,प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, मधुपुर प्रखंड परियोजना प्रबंधक जेएसएलपीएस आदि उपस्थित थे।

## आगंतुकों को दी गई पर्यावरण संरक्षण की विशेष जानकारी

**दुमका :** जिले के आउटडोर स्टेडियम के समीप झार मधु केंद्र में शुक्रवार को वन प्रमंडल कार्यालय, दुमका द्वारा ह्लटेक लीफ स्मार्ट टेक ग्रीन माइंड्स - डिजिटल एंगेजमेंट जोनह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा उपायुक्त, दुमका ने भी हिस्सा लिया। इस विशेष आयोजन में आगंतुकों को आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी दी गईं।

## बागबेड़ा जलापूर्ति योजना का काम ठप

**जमशेदपुर :** बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना का काम ठप पड़ा हुआ है। यह स्थिति लंबे समय से राज्य सरकार की ओर से इस मद में आवंटन नहीं उपलब्ध कराने की वजह से उत्पन्न हुई है। ठेकेदार ने भुगतान नहीं होने की वजह से काम बंद कर दिया है। इसकी वजह से फिलहाल काम बंद है। बताया जाता है कि इस योजना में मेन पाइप लाइन बिछाने, नदी के ऊपर बने पुल पर पाइप लाइन बिछाने, घर-घर कनेक्शन का पाइप लाइन बिछाने का काम भी पूरा नहीं हुआ है। इसके अलावा बहुत सी मशीनें लंबे समय से आकर रखी हैं जिन्हें ओवरआयलिंग की जरूरत है।

# धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की हुई बैठक

संवाददाता

**दुमका :** समाहरणालय के सभागार कक्ष में शुक्रवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में

धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आगामी सीजन हेतु धान अधिप्राप्ति की तैयारी पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से पैक्सों के चयन की प्रक्रिया और राईस मिलों के संबद्धन पर विचार-विमर्श किया गया, ताकि अधिप्राप्ति कार्य समयबद्ध और सुचारु रूप से संचालित किया जा सके।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे अधिक संख्या में किसान अपना धान सरकारी मूल्य पर बेचकर लाभान्वित हो सकें। उन्होंने धान अधिप्राप्ति को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया, ताकि किसानों तक योजनाओं और प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी समय पर पहुंच सके।

उपायुक्त ने गोदामों की स्थिति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताते हुए साफ-सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाओं की पूर्व जांच सुनिश्चित करने को कहा, ताकि अधिप्राप्ति के दौरान किसी प्रकार की समस्या न उत्पन्न हो।

बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर तैयारी पूर्ण करने तथा पारदर्शिता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में समिति के सभी सदस्यों सहित अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, भारतीय खाद्य निगम देवघर के मंडल प्रबंधक के प्रतिनिधि, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र तथा क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण परिषद दुमका उपस्थित थे।

# प्रकृति ने भी अजीबोगरीब दृश्य दिखाया एक साथ तीन गोभी को उगाया

**एक साथ तीन गोभी का उगना या दिखना कोरी कल्पना करार दी जाएगी किंतु सच में अगर दिख जाए तो इसे हैरत ही माना जाएगा।एक साथ सामुहिक रूप से गोभी का फलना वर्तमान राजनैतिक गठबंधन का ही स्वरूप माना जा सकता है क्योंकि अलग अलग ना फल कर सामुहिक रूप से एक साथ फलना यह संदेश देता है कि हम सब एक हैं।**

# जिला प्रशासन सभी आवश्यक सहयोग और समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर है : उपायुक्त

संवाददाता

**दुमका :** समाहरणालय के सभागार कक्ष में शुक्रवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में हंस फाउंडेशन द्वारा जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने प्रखंडवार स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। बैठक में हंस फाउंडेशन द्वारा बताया गया कि जिले के सभी 10 प्रखंडों में मोबाइल मेडिकल वैन संचालित की जा रही है, जिनमें मेडिकल ऑफिसर, एएनएम एवं फार्मासिस्ट मौजूद रहते हैं। बताया गया कि जिले में अब तक 132 ओपीडी सत्र आयोजित किए गए हैं, जिनमें 5,414 लोगों का उपचार किया गया है। इसके अतिरिक्त 85 स्कूल अवेयरनेस कार्यक्रम भी संचालित किए गए, जिनका बच्चों और ग्रामीण समुदाय को सीधा लाभ मिला है।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि मोबाइल मेडिकल वैन के माध्यम से जिले के दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में इन वैन को नियमित रूप से संचालित रखा जाए ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को लाभ मिल सके।

उन्होंने मेडिकल अधिकारियों से फील्ड में आने वाली समस्याओं की जानकारी भी प्राप्त की और आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन सभी आवश्यक सहयोग एवं समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर है। इस दौरान एमएमयू के कार्यक्रम प्रबंधक सैमुअल सिंह, चिकित्सा पदाधिकारी, एएनएम सहित अन्य उपस्थित थे।

## धनबाद के कचरा गोदाम में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

संवाददाता

**धनबाद :** जिले के झरिया थाना क्षेत्र के सिंह नगर में एक कचरा गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैल गई, जिससे आस-पास के पूरे इलाके में दहशत फैल गई। घना धुआं और ऊंची-ऊंची लपटें देखकर स्थानीय लोग डर गए। कई दुकानदारों ने नुकसान से बचने के लिए एहतियात के तौर पर अपनी दुकानों से सामान हटाना शुरू कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही चार फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने की कोशिशें शुरू कर दीं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के मुताबिक, आग काफी विकराल थी, जिससे इसे बुझाना मुश्किल हो रहा था। आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चला है।

झरिया पुलिस स्टेशन की एक टीम भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी, हालांकि पुलिस ने उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की।

कचरा गोदाम के मालिक दीपक साहू ने बताया कि घटना के समय वह मंदिर में थे। उनके स्टाफ ने उन्हें फोन करके गोदाम में आग लगने की जानकारी दी। जब वह पहुंचे, तो पूरा गोदाम आग की लपटों में घिरा हुआ था। आग की तीव्रता देखकर वह हैरान रह गए। उन्होंने आग से हुए नुकसान का अंदाजा 70 से 80 लाख रुपये बताया है। फिलहाल, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें आग लगने के कारणों की जांच कर रही हैं।

# कपाली में कार और बाइक चोरी का प्रयास नाकाम

## सीसीटीवी फुटेज से पकड़ाया युवक

संवाददाता

**जमशेदपुर :** कपाली में देर रात एक युवक कार और मोटरसाइकिल का लॉक तोड़कर चोरी करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान एक नागरिक की सूचना पर पुलिस पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। ओपी प्रभारी धीरंजन कुमार ने बताया कि यह घटना गुरुवार की रात लगभग 12 बजे की है। गौसनगर साल बागान निवासी अफजल फैज ने पुलिस को फोन कर सूचना दी थी कि उनके घर के बाहर खड़ी कार और मोटरसाइकिल के लॉक से छेड़छाड़ की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम पहुंची और तलाश शुरू की। घटनास्थल से कुछ दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पूरी घटना स्पष्ट हो गई। फुटेज में एक युवक वाहनों का लॉक तोड़ने का प्रयास करता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उसकी पहचान और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई। देर रात गौसनगर और आसपास के इलाकों में छापेमारी शुरू की गई। कुछ देर बाद संदिग्ध युवक को गौसनगर फुटबॉल मैदान स्थित बिस्मिल्लाह हॉल के पास से हिरासत में ले लिया गया। उसकी पहचान मोहम्मद सलामत अंसारी 23 वर्ष के रूप में हुई। हिरासत में लिए जाने के बाद पूछताछ के दौरान सलामत ने खुद को घटना से अलग बताने की कोशिश की और पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने उसे चोरी के प्रयास का दोषी मानते हुए गिरफ्तार कर लिया।

# आंबेडकर सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि सामाजिक न्याय के सबसे मजबूत स्तंभ हैं : विजय शंकर नायक

संवाददाता

**रांची :** भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि पर आज रांची के डोरंडा स्थित आम्बेडकर चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। आंबेडकर चौक में माल्यार्पण कर सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। आंबेडकर चौक पर आदिवासीझमूलवासी जनाधिकार मंच द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि– झारखंड जैसे राज्य में आज भी हाशिये पर खड़े समाजों–आदिवासी, दलित, पिछड़े और कमजोर वर्ग–को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार और प्रशासन बाबा साहेब के सिद्धांतों पर चलते हुए– शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा को अधिकार के रूप में लागू करे*भूमि, वन और जल-जंगल-जमीन पर आदिवासियों के अधिकारों को सख्ती से लागू करे* जातीय भेदभाव की हर घटना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करे* संविधान में प्रदत्त समानता और न्याय के सिद्धांतों को शासन-व्यवस्था का आधार बनाए

श्री नायक ने आगे कहा की ह्लबाबा साहेब का सपना तभी पूरा होगा, जब समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक अधिकार, सम्मान और अवसर पहुँचेंगे। आज उनकी पुण्यतिथि हमें यही संदेश देती है कि संघर्ष अभी अधूरा है, और हमें इसे आगे बढ़ाना है ह्व** अपने संबोधन में इन्होंने आगे कहा कि ह्लबाबा साहब ने सिर्फ संविधान नहीं लिखा, बल्कि करोड़ों वंचितों-शोषितों को आत्मसम्मान और अधिकार की ज्योति दी। उनकी विचारधारा आज भी हमें समता, स्वतंत्रता और बंधुता का पाठ पढ़ाती है। हमें उनके सपनों का भारत बनाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।ह्व

कार्यक्रम में प्रोफेसर कृष्णा कान्त रवि ,शिव शंकर दस ,अशोक कुमार रजक ,दीपक पासवान ,विनय कुमार दुबे (पहलवान )मंटू राम ,अजय नाग ,भूषण राम ,मनु तिर्की ,कृष्णा राम,रविन्द्र यादव ,प्रहलाद राम ,करीमन रजक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और मंच के पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने बाबा साहेब की विचारधारा को झारखंड के जनझआंदोलनों की शक्ति बताते हुए इसे आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर महामानव को याद किया और संविधान की रक्षा तथा सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

# हजारीबाग में जब्त पनीर, मक्खन और मक्का स्टार्च निकला नकली

संवाददाता

**हजारीबाग :** जिले में नकली पनीर, मक्खन और मक्का स्टार्च बनाया जा रहा है। इस बात की पुष्टि जब्त पनीर की जांच रिपोर्ट में हुई है। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि अब हजारीबाग में नकली खाद्य पदार्थ का कारोबार तेजी से फैल रहा है।

30 नवंबर को जब्त किए गए थे सैंपल

दरअसल, हजारीबाग जिला प्रशासन ने 30 नवंबर को पूणार्पानी, चुरचू स्थित अनिल सिंह के कारखाने में छापेमारी की थी। अधिकारियों ने मौके से 113 क्विंटल पनीर, 40 लीटर मक्खन और 10 किलो मक्का स्टार्च जब्त कर चरही थाना में सुरक्षित जमा कराया था। संदिग्ध पनीर और मक्खन के नमूने संग्रहित कर राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला, नामकुम भेजा था। रिपोर्ट में वह पनीर नकली पाया गया है, जो खाने में विषाक्त है।

पनीर खरीदने में बरतें सावधानीः फूड सेफ्टी ऑफिसर

फूड सेफ्टी ऑफिसर मो। मंजर हुसैन का कहना है कि जब भी पनीर खरीदें तो सुरक्षित दुकान से खरीदें और जांच करने का भी तरीका जरूर सीख लें। पनीर के टुकड़े पर आयोडीन की कुछ बूंदें डालें, यदि रंग नीला या काला हो जाए तो उसमें स्टार्च है और वह नकली है। पनीर के टुकड़े को गुनगुने पानी में डालें शुद्ध पनीर अपनी जगह बनाए रखेगा, जबकि नकली पिघल जाएगा या घुल जाएगा। असली

पनीर नरम होता है, दूधिया गंध वाला और हल्का मीठा स्वाद वाला होता है। जबकि नकली पनीर रबड़ जैसा और बेस्वाद या कड़वा हो सकता है।

स्थानीय लोगों ने जताई चिंता

हजारीबाग के स्थानीय भी कहते हैं कि नकली पनीर का गोरखधंधा हजारीबाग में खूब चल रहा है। पहले कहा जाता था कि नकली पनीर और मक्खन दूसरे राज्यों से हजारीबाग पहुंचता है। अब हजारीबाग में ही नकली पनीर और मक्खन बन रहा है। यह चिंता का विषय है। प्रशासन को इसे लेकर सजग रहने की भी जरूरत है। इसके पहले भी हजारीबाग में भारी मात्रा में नकली पनीर बरामद किया गया था, जो दूसरे राज्य से यहां पहुंचा था। अब हजारीबाग जैसे शहर में भी नकली पनीर सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में बनाया जा रहा है। जो चिंता का विषय है।